राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात




स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार , 01 जून 2026
वर्ष 14, अंक 52, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

तुलसी नगर स्टेशन पर हाईकोर्ट सख्त...03

जल्दी शुरू हो सकते हैं प्लास्टिक के नोट...04

# शासक ही हमलावर बन गए...भतीजे अभिषेक पर अटैक से बिफरीं ममता बनर्जी

● पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की कड़ी निंदा हो रही है. अब तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. ममता ने सरकार को घेरते हुए कहा है कि उन्हें शर्म आनी चाहिए



पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की कड़ी निंदा हो रही है. राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक हर कोई इसे गलत ठहरा रहा है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अखिलेश यादव इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं. अब तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. ममता ने सरकार को घेरते हुए कहा है कि उन्हें शर्म आनी चाहिए।

घटना के तुरंत बाद, तृणमूल ने एक्स पर प्रतिक्रिया दी. एक पोस्ट में यह बताया गया कि अभिषेक हाल के विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी दिवंगत तृणमूल कार्यकर्ता के परिवार के साथ खड़े रहे थे. इस पोस्ट को रीट्वीट करते हुए ममता बनर्जी ने लिखा, अब तो शासक ही हमलावर बन गए हैं. BJP को शर्म आनी चाहिए. तृणमूल ने कहा, बीजेपी का असली चेहरा बेनकाब हो गया है। अभिषेक पर हुए हमले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था कितनी तेजी से चरमरा रही है. क्या यही लोकतंत्र है? क्या यही सुशासन है? उन्होंने आगे कहा कि पूरी दुनिया इस घटना को देख रही है।

### गृह मंत्री को इसका जवाब देना चाहिएः डेरेक ओ'ब्रायन

इससे पहले टीएमसी नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने बंगाल की बीजेपी सरकार को घेरते हुए हमला बोला. उन्होंने एक्स पर लिखा 'अभी बंगाल में क्या हो रहा है? दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टीअखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा नेता, चुनाव के बाद हुई हिंसा में बीजेपी द्वारा मारे गए एक व्यक्ति के परिवार से मिलने गए थे. अभिषेक बनर्जी पर कुछ बीजेपी समर्थकों ने भीड़ बनाकर हमला किया. उनकी जान खतरे में है। पुलिस कहां है? वोटों की गिनती के दिन सुरक्षा क्यों हटा ली गई थी? गृह मंत्री को इसका जवाब देना चाहिए'

### अखिलेश ने बताया नफरत की राजनीति

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा 'बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के एक प्रमुख नेता अभिषेक बनर्जी पर जानलेवा हमला करवाकर राज्य की अराजक बीजेपी सरकार ने यह साबित कर दिया है कि वह नफरत भरी, नकारात्मक और हिंसक राजनीति करने के अलावा कुछ भी करने में असमर्थ है. इतने संवेदनशील माहौल में भी पुलिस की तैनाती न होना, किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है. यह बेहद निंदनीय है! '

### बीजेपी ने टीएमसी के आरोपों को नकारा

इस घटना के संबंध में बीजेपी का दावा है कि सोनारपुर में हुई घटनाओं से उसका कोई लेना-देना नहीं है. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी इस घटना में शामिल नहीं है. पिछले पांच वर्षों में दक्षिण 24 परगना में तृणमूल ने जिस तरह के अत्याचार किए हैं, उसे देखते हुए अगरबीजेपी चाहती, तो तृणमूल के नेता अभी अपने घरों से बाहर भी नहीं निकल पाते. यह पूरी तरह से बीजेपी के संयम बरतने का ही नतीजा है कि तृणमूल के नेता इस तरह आजादी से घूम-फिर पा रहे हैं।

### अभिषेक ने लगाया आरोप

सोनारपुर, दक्षिण 24 परगना में स्थित है. यह कोलकाता के करीब है. अभिषेक बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों को पहले से जानकारी देने के बावजूद, उन्हें पर्याप्त सुरक्षा मुहैया नहीं कराई गई. उन्होंने कहा, 'मैं इस जगह से तब तक नहीं हटूंगा, जब तक पुलिस और सुरक्षा बल यहां सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर देते. वे घरों को गिराने की कोशिश कर रहे हैं, और वे मुझे मार डालना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज उनके हेलमेट की वजह से ही उनका सिर बच पाया; वरना कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती थी. विपक्षी दलों को चुनौती देते हुए अभिषेक बनर्जी ने यह साफ कर दिया कि ञ्रस्ध्ट इस तरह के कायरतापूर्ण हमलों से डरने वाली नहीं है और वह लोगों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

# दिल्ली के साकेत में भर-भराकर गिरा पांच मंजिला मकान

● मलबे में कई लोगों के दबने की आशंका

राजधानी दिल्ली के साकेत स्थित सैदुलअजाइब में शनिवार रात एक मकान ढह गया। मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है, स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया।

दिल्ली के साकेत में शनिवार रात मकान ढहा।

मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका।

स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान शुरू किया।

**नई दिल्ली।** राजधानी में शनिवार की शाम को साकेत स्थित सैदुलअजाइब में पांच मंजिला मकान गिरने से मलबे में कई लोगों के दबने की खबर से हड़कंप मच गया। फिलहाल, स्थानीय लोगों ने बचाव राहत कार्य शुरू कर दिया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मकान गिरने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू कर दिया। वहीं, पुलिस को भी सूचना दी गई। राजधानी दिल्ली के साकेत स्थित सैदुल्लाजाब इलाके में शनिवार रात एक बहुमंजिला इमारत पूरी तरह से ढह गई। यह घटना साकेत मेट्रो स्टेशन के पास हुई। दिल्ली फायर सर्विस को शाम 7:44 बजे सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची फायर टीम ने पुष्टि की कि एक पांच मंजिला इमारत गिर गई है, जिसके मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है।

राजधानी दिल्ली के साकेत क्षेत्र में शनिवार शाम एक मकान के गिरने की सूचना मिली। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि उनको शाम करीब 7:44 बजे यह कॉल मिली। इसके बाद तुरंत फायर टेंडर मौके पर रवाना कर दिए गए। वहीं, स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सभी राहत कार्य तेजी से करना आरंभ कर दिया है। इसके तुरंत बाद घटनास्थल पर शुरू में 3 वाटर टेंडर और एक आईआरटी रवाना किए गए। बाद में एक और वाटर टेंडर और एक लाइट वैन भेजी गई। रेस्क्यू और राहत कार्य तेजी से चल रहा है। स्थानीय लोगों ने भी तुरंत बचाव कार्य में सहयोग शुरू कर दिया था। अभी तक हताहतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फायर सर्विस, पुलिस और अन्य एजेंसियां मौके पर सक्रिय हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मकान गिरने के समय अंदर कुछ लोगों के मौजूद होने की आशंका है, इसी वजह से मलबे में कई लोगों के दबे होने की संभावना जताई जा रही है. घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और अन्य बचाव एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंच गई है. मलबे को हटाने का काम जारी है और फंसे लोगों की तलाश की जा रही है. फिलहाल, यह साफ नहीं हो पाया है कि इमारत गिरने की वजह क्या रही है। शुरुआती जांच में निर्माण की स्थिति और इमारत की मजबूती को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है. अधिकारियों का कहना है कि मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना फिलहाल सबसे बड़ी प्राथमिकता है. महरौली पुलिस स्टेशन इलाके में हुए इस हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल है. बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटा है और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है।

## संक्षिप्त ख़बरें

### सिद्धार्थनगरः शीशम के पेड़ की टहनी कटते युवक को लगा करंट, मौके पर मौत

**सिद्धार्थनगर।** जिले के खेसरहा थाना क्षेत्र के भैसा गांव में शनिवार को करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनू लोधी ( 25 ) पुत्र राममिलन लोधी निवासी ग्राम भैसा के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, सोनू गांव के बाहर स्थित शीशम के पेड़ की टहनी काट रहे थे। इसी दौरान टहनी ऊपर से गुजर रही 11000 वोल्ट की बिजली लाइन से छू गई, जिससे सोनू गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

### खोए और चोरी हुए मोबाइल हाथ में देख खिल उठे चेहरे

**पूर्वी दिल्ली।** पूर्वी दिल्ली में पूर्वी जिला पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के तहत 532 लोगों को उनके खोए व चोरी हुए मोबाइल लौटाए। वसुंधरा एन्क्लेव स्थित महाराजा अग्रसेन कॉलेज में पुलिस ने इस संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया। स्पेशल सीपी देवेश चंद्र श्रीवास्तव, संयुक्त पुलिस आयुक्त पूर्वी रेंज अजीत कुमार सिंगला व डीसीपी राजीव कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे। **ठगी से बचने की दी जानकारी** पुलिस अधिकारियों ने लोगों को साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी फ्रॉड, फर्जी निवेश योजनाओं और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के बारे में जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराध की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 का उपयोग करने की अपील की गई। स्पेशल सीपी ने कहा कि ऑपरेशन विश्वास दिल्ली पुलिस की सेवा-उन्मुख और पारदर्शी कार्यशैली का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि खोई या चोरी हुई संपत्ति को उसके वास्तविक मालिक तक पहुंचाना पुलिस और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करता है।

# बस्ती जिले का विकास का असली चेहरा सामने देखने को मिल रहा है कीचड़ भरी रास्ते से मजबूरी में आ रहे हैं

» जलभराव के दलदल में विकास! कॉलेज मार्ग बना गंदे पानी का तालाब सफाई व्यवस्था बद हाल नहीं दिख रहा है अधिकारियों को रास्ते का कीचड़



स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बस्ती।** बस्ती जिले में विकास के नाम पर लूट मची हुई है जिला प्रशासन मामले को संज्ञान में नहीं ले रहा है हर तरफ विकास के नाम पर लूट हो रही है क्या शहर के वार्ड नंबर 4 स्थित पंचपेड़िया कॉलोनी में विकास के दावों की हकीकत सड़क पर भरे गंदे पानी में साफ दिखाई दे रही है। राजन डिग्री कॉलेज को जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। सड़क पर जमा गंदा पानी और बजबजाती नालियां स्थानीय लोगों, विद्यार्थियों और राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गई हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई दिनों से सड़क पर गंदा पानी जमा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की नजर इस ओर नहीं पड़ रही। हालात ऐसे हैं कि लोगों को घरों से निकलने के लिए भी पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में यह जलभराव मच्छरों और संक्रामक बीमारियों को खुला निमंत्रण दे रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं, उसी मार्ग की यह दुर्दशा आखिर किसकी लापरवाही का परिणाम है? क्या विकास सिर्फ कागजों और बैठकों तक सीमित रह गया है? स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि और नेता बड़े-बड़े वादे और विकास के दावे करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही समस्याएं जस की तस रह जाती हैं। जलभराव की इस गंभीर समस्या ने एक बार फिर उन दावों की हकीकत सामने ला दी है। लोगों का कहना है कि 'वोट के वक्त हर गली याद आती है, लेकिन समस्या के वक्त जनता खुद को अकेला पाती है।' वार्ड नंबर 4 के सभासद महेंद्र सोनकर और नगर पालिका प्रशासन से स्थानीय लोग शीघ्र समाधान की मांग कर रहे हैं।

**जनता पूछ रही है...**

» क्या यही विकास की तस्वीर है?

» क्या छात्रों को शिक्षा के मंदिर तक पहुंचने के लिए गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ेगा?

» आखिर कब जागेगा नगर प्रशासन?

### चुनावी वादों का विकास जमीन पर कब दिखाई देगा?

राजन डिग्री कॉलेज के मुख्य मार्ग पर फैला जलभराव प्रशासनिक दावों और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर साफ-साफ बयां कर रहा है। तस्वीर खुद सवाल पूछ रही है और जवाब का इंतजार कर रही है। जिले में अंधेर नगरी चौपट राजा हो रहा है विकास कागजों में हो रहा है धरातल पर कुछ नहीं दिखाई दे रहा है लेकिन फिर भी जिलाधिकारी महोदय शांत क्यों है।

### अतिरिक्त सिलेंडर तुरंत करें सरेंडर, एक घर में सिर्फ एक LPG कनेक्शन; सरकार 1 जून से करने जा रही सख्ती

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने गैस कंट्रोल ऑर्डर में संशोधन कर साफ कर दिया है कि एक घर (हाउसहोल्ड) में केवल एक एलपीजी कनेक्शन ही रखा जा सकता है। एक से अधिक एलपीजी कनेक्शन रखना अब पूरी तरह प्रतिबंधित है। भारतीय तेल कंपनियों एचपीसीएल, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम ने संयुक्त रूप से जारी सार्वजनिक सूचना में उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन तुरंत सरेंडर कर दें। एक जून से इस नियम पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**मुख्य नियम**

एक परिवार (पति, पत्नी, विवाहित बच्चे और आश्रित माता-पिता) में एक ही रसोई के साथ केवल एक एलपीजी कनेक्शन ही वैध होगा। अतिरिक्त कनेक्शन रखने पर गैस सप्लाई बंद की जा सकती है। सप्लाई तभी बहाल होगी जब सभी अतिरिक्त कनेक्शन सरेंडर कर दिए जाएंगे। अगर अतिरिक्त कनेक्शन सरेंडर करने के बाद सिर्फ एक बचता है, तो उसे डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) में बदला जा सकता है। पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को अपना एलपीजी कनेक्शन तुरंत सरेंडर करना होगा।

### बलरामपुर में सड़क किनारे जल रहा कूड़ा:जहरीली हवा से लोग परेशान, स्वच्छ भारत अभियान पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता




**बलरामपुर** में केंद्र और प्रदेश सरकार के 'स्वच्छ भारत' अभियान के दावों के विपरीत सदर आदर्श नगर पालिका परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। नगर क्षेत्र में नहर बालागंज से गेल्हापुर जाने वाले बांध के किनारे और अन्य स्थानों पर खुलेआम कूड़ा डंप कर जलाया जा रहा है, जिससे आसपास के लोगों को गंभीर प्रदूषण और दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार,कूड़ा निस्तारण के लिए लाखों रुपये की लागत से एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर का निर्माण कराया गया है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक तरीके से कचरे का प्रबंधन करना था।हालांकि,इसके बावजूद नगर के विभिन्न हिस्सों से एकत्रित कूड़े को सड़क किनारे और खाली स्थानों पर डंप कर जलाया जा रहा है।

नहर बालागंज क्षेत्र में नाले के पास भारी मात्रा में कूड़ा फेंका जाता है,जिसके बाद उसमें आग लगा दी जाती है।इससे उठने वाला धुआं पर्यावरण प्रदूषण का एक बड़ा कारण बन रहा है, जिससे वायु गुणवत्ता प्रभावित हो रहीस्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार कूड़ा जलाने का विरोध किया है,लेकिन समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। लोगों का आरोप है कि शिकायत करने पर कुछ कर्मचारियों द्वारा विवाद करने का भी प्रयास किया जाता है, फिर भी जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।

स्थानीय निवासी सौरभ ने बताया कि नगर में कूड़ा निस्तारण की ठोस व्यवस्था नहीं है। सफाईकर्मी घर-घर से कचरा तो एकत्र करते हैं, लेकिन अंत में उसे जलाकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जाता है। वहीं, साहिल शाह ने चिंता व्यक्त की कि कचरे के ढेर पर मवेशी भोजन की तलाश में पहुंचते हैं और पॉलिथीन निगल लेते हैं, जो उनके लिए जानलेवा साबित होती है। सामाजिक कार्यकर्ता नीलमणि तिवारी ने कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए कूड़ा निस्तारण की वैज्ञानिक व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कचरा जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर उसका सख्ती से पालन कराने की मांग की। इस संबंध में नगर पालिका चेयरमैन धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' ने बताया कि कूड़ा निस्तारण के लिए नए सिरे से एमआरएफ सेंटर का निर्माण कराया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस समस्या का स्थायी समाधान कर दिया जाएगा।

# सीएमओ आजमगढ़ ने किया स्वास्थ्य विभाग के तृतीय श्रेणी कर्मचारियों द्वारा धरना प्रदर्शन का खंडन




स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** खबर का शेष स्वास्थ्य विभाग की ऑडिट टीम के संबंध में हमारे संवाददाता द्वारा मुख्य संप्रेक्षा अधिकारी स्वास्थ्य भवन लखनऊ से बात की गई तो उन्होंने बताया कि यह मामला तो सोची समझी रणनीति के तहत षड्यंत्र लग रहा है। आजमगढ़ के कार्यक्रम में तीन लोगों को जाना था लेकिन दो ही गए तीसरे अधिकारी धनंजय राम ने टीम के साथ जाने से इनकार कर दिया था और टीम के दोनों लोगों ने मुझे लिखित रूप से जानकारी दी है

कि आजमगढ़ ऑडिट कार्यक्रम में जाने के दो-तीन दिन पहले मेरी धनंजय राम से फोन द्वारा बातचीत हुई तो धनंजय राम ने टीम के साथ जाने पर स्पष्ट बोल दिया था कि हम तिगड़ी के साथ नहीं जाएंगे आप लोगों की जैसी इच्छा हो वो करो। आजमगढ़ सिर्फ हम दो लोग ही गए थे और पूरा कार्य बेहतर तरीके से किया। इस संबंध में मुख्य संप्रेक्षा अधिकारी ने यह भी बताया कि आजमगढ़ के बाद उन्नाव जिले में भी हमारी आडिट टीम में इन्हीं तीनों लोगों को जाना था लेकिन वहां भी धनंजय राम नहीं पहुंचे सिर्फ दो ही लोग पहुंचे थे। धनंजय राम द्वारा अनुपस्थित के संबंध में मुझे किसी भी प्रकार की लिखित या मौखिक जानकारी भी नहीं प्राप्त हुई है।

# सरकारी सफाई कर्मचारी अपने स्थान पर प्राइवेट मजदूरों से करवा रहा काम

● प्राइवेट मजदूरों से पंचायत भवन पर कार्य करते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

एडीओ पंचायत कप्तानगंज सुशील कुमार श्रीवास्तव सचिव रजनी दूबे से मिलभगत करके सफाईकर्मी प्राइवेट मजदूरों से करा रहा सफाई कार्य

एडीओ पंचायत ग्राम पंचायतों में साफ सफाई व्यवस्था की जांच करने के बजाए ष्ट कमरे में बैठ कर करते हैं मौज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बस्ती।** जिले के विकासखंड कप्तानगंज अंतर्गत मरवटिया तिवारी ग्राम सभा के राजस्व ग्राम खोभा स्थित पंचायत भवन से जुड़ा एक मामला इन दिनों क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में पंचायत भवन परिसर में प्राइवेट मजदूरों एवं निजी सफाई कर्मचारियों से कार्य कराए जाने का दावा किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत भवन में चल रहे निर्माण, मरम्मत एवं साफ-सफाई कार्यों में सरकारी व्यवस्था की अनदेखी की जा रही है।




स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी सफाई कर्मचारियों की जगह प्राइवेट सफाई कर्मियों को लगाकर कार्य कराया जा रहा है, जिससे पंचायत व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

वायरल वीडियो सामने आने के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत कार्यों में सरकारी मानकों और निर्धारित प्रक्रिया का पालन होना चाहिए। यदि किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। वही खंड विकास अधिकारी द्वारा भ्रष्टाचार की जड़े जमाई बैठे हुए बिना कार्य कराए भुगतान किया जा रहा है ऐसे खंड विकास अधिकारी के ऊपर कार्रवाई होनी चाहिए बताया जा रहा है कि पंचायत भवन में चल रहे कार्य के दौरान किसी स्थानीय व्यक्ति ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया, जिसके बाद मामला तेजी से वायरल हो गया। हालांकि अभी तक प्रशासन अथवा संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन, खंड विकास अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जांच होने पर पंचायत भवन में चल रहे कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी। सूत्रों की माने तो एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव, सचिव रजनी दूबे व ग्राम प्रधान अजय कुमार की मिलीभगत से ग्राम पंचायत मरवटिया तिवारी में तैनात सचिव मनचाहा डियूटी करने में सफल है और ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। अब देखना यह है कि उक्त प्रकरण में डीपीआरओ घनश्याम सागर द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है?

# बाल संरक्षण की आवश्यकता और वैश्विक प्रयास




अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस प्रत्येक वर्ष 1 जून को विश्वभर में मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन के प्रति समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से समर्पित है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं क्योंकि वही भविष्य के नागरिक, वैज्ञानिक, शिक्षक, कलाकार और नीति निर्माता बनते हैं। यदि बच्चों को सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ वातावरण प्राप्त हो तो राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनता है, लेकिन यदि वे शोषण, हिंसा, गरीबी और उपेक्षा का सामना करते हैं तो समाज का विकास भी प्रभावित होता है। इसी कारण बाल सुरक्षा केवल सामाजिक विषय नहीं बल्कि मानवीय और नैतिक दायित्व भी है।

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस का इतिहास 20वीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों से जुड़ा हुआ है। 1925 में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में बच्चों के कल्याण पर एक महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों पर विशेष चर्चा हुई। बाद में 1949 में मास्को में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला लोकतांत्रिक संघ की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बच्चों के संरक्षण और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष दिवस मनाया जाना चाहिए। इसके बाद 1 जून 1950 को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस मनाया गया। उस समय द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण लाखों बच्चे अनाथ, विस्थापित और निर्धन हो चुके थे। युद्ध ने बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला था और उनकी सुरक्षा के लिए वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। यही कारण था कि इस दिवस को मानवीय संवेदना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का प्रतीक माना गया। समय के साथ इस दिवस का महत्व लगातार बढ़ता गया। संयुक्त राष्ट्र ने भी बच्चों के अधिकारों को वैश्विक स्तर पर महत्व दिया। 1954 में विश्व बाल दिवस की स्थापना की गई और 20 नवंबर 1959 को बाल अधिकारों की घोषणा स्वीकार की गई। इसके बाद 1989 में बाल अधिकारों पर सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपनाया। इस सम्मेलन में बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, अभिव्यक्ति और विकास के अधिकारों को स्पष्ट रूप से मान्यता दी गई। आज विश्व के अधिकांश देश बाल अधिकारों को कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं, फिर भी अनेक क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

बाल संरक्षण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष शिक्षा है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि आत्मविश्वास, विवेक और व्यक्तित्व निर्माण का आधार है। एक शिक्षित बच्चा अपने अधिकारों को समझता है और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने में सक्षम बनता है। फिर भी आज विश्व में करोड़ों बच्चे विद्यालय से दूर हैं। गरीबी, युद्ध, सामाजिक असमानता और बाल श्रम इसके प्रमुख कारण हैं। अनेक बच्चे आर्थिक मजबूरी के कारण छोटी आयु में काम करने लगते हैं जिससे उनका बचपन छिन जाता है। बाल श्रम बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को प्रभावित करता है तथा उन्हें शोषण के चक्र में फँसा देता है। इसलिए सरकारों और सामाजिक संगठनों का यह दायित्व है कि वे प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुँचाएँ और बाल श्रम को समाप्त करने के लिए कठोर कदम उठाएँ।

बाल विवाह भी बाल अधिकारों के लिए एक गंभीर चुनौती है। अनेक समाजों में आज भी कम आयु में बच्चों विशेषकर बालिकाओं का विवाह कर दिया जाता है। इससे उनकी शिक्षा बाधित होती है और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कम आयु में मातृत्व अनेक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है। साथ ही बाल विवाह लड़कियों की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को भी सीमित कर देता है। इस समस्या के समाधान के लिए कानूनी प्रतिबंधों के साथ सामाजिक जागरूकता भी आवश्यक है। जब तक समाज अपनी सोच में परिवर्तन नहीं लाएगा तब तक केवल कानून पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगे।

वर्तमान समय में बच्चों के सामने नई चुनौतियाँ भी उभर रही हैं। तकनीकी विकास ने जहाँ ज्ञान और संचार के नए अवसर दिए हैं वहीं अनेक जोखिम भी उत्पन्न किए हैं। इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों के माध्यम से बच्चों का आभासी शोषण, साइबर धमकी और अनुपयुक्त सामग्री तक पहुँच बढ़ी है। अनेक बच्चे मानसिक तनाव और अकेलेपन का अनुभव कर रहे हैं। इसलिए अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना, उनकी भावनाओं को समझना और सुरक्षित डिजिटल वातावरण प्रदान करना आज की आवश्यकता है। केवल तकनीकी नियंत्रण पर्याप्त नहीं है बल्कि बच्चों को सही और गलत के बीच अंतर समझाने की भी आवश्यकता है।

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण बन चुका है। प्रतियोगिता, पारिवारिक तनाव, सामाजिक दबाव और अकेलापन बच्चों के मन पर गहरा प्रभाव डालते हैं। यदि किसी बच्चे को प्रेम, सहयोग और समझ नहीं मिलती तो वह अवसाद और भय का शिकार हो सकता है। स्वस्थ मानसिक विकास के लिए बच्चों को ऐसा वातावरण चाहिए जहाँ वे अपनी भावनाओं को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकें। परिवार और विद्यालय को बच्चों के लिए केवल अनुशासन का केंद्र नहीं बल्कि विश्वास और सुरक्षा का स्थान बनना चाहिए। एक संवेदनशील समाज ही स्वस्थ और आत्मविश्वासी पीढ़ी का निर्माण कर सकता है।

वैश्विक स्तर पर युद्ध और प्राकृतिक आपदाएँ बच्चों के जीवन को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में लाखों बच्चे विद्यालयों से वंचित हो जाते हैं और अनेक बच्चों को विस्थापन का सामना करना पड़ता है। कुछ क्षेत्रों में बच्चों को सैनिक गतिविधियों में भी शामिल किया जाता है जो मानवता के लिए अत्यंत दुखद स्थिति है। प्राकृतिक आपदाएँ और महामारियाँ भी बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालती हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और मानवीय सहायता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ राहत कार्यों, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से बच्चों की सहायता करने का प्रयास करती हैं।

समाज में बाल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षक बच्चों को सही दिशा दे सकते हैं, अभिभावक उन्हें प्रेम और सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं तथा सामाजिक संगठन जागरूकता फैलाकर सहायता पहुँचा सकते हैं। विद्यालयों में बाल अधिकारों पर चर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध प्रतियोगिताएँ और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं ताकि बच्चे अपने अधिकारों को समझ सकें। मीडिया भी बाल सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि समाज का प्रत्येक वर्ग इस दिशा में सक्रिय हो जाए तो बच्चों के जीवन में बड़ा परिवर्तन संभव है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि बाल संरक्षण को केवल सरकारी योजना न माना जाए बल्कि सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। प्रत्येक बच्चे को भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। किसी भी बच्चे को हिंसा, शोषण और उपेक्षा का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना पूरे समाज का दायित्व है। बच्चों के सपनों की रक्षा करना ही भविष्य की रक्षा करना है। यदि हम आज बच्चों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन देंगे तो आने वाला समाज अधिक शांतिपूर्ण, न्यायपूर्ण और मानवीय होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि बच्चों की सुरक्षा केवल एक दिन का विषय नहीं बल्कि निरंतर चलने वाला प्रयास है। यह दिवस हमें आत्मचिंतन करने और अपने दायित्वों को समझने की प्रेरणा देता है। प्रत्येक बच्चे में अपार संभावनाएँ छिपी होती हैं और उन संभावनाओं को विकसित करने के लिए प्रेम, शिक्षा और सुरक्षा आवश्यक है। जब समाज बच्चों के अधिकारों का सम्मान करना सीख जाएगा तब वास्तविक प्रगति संभव होगी। यही इस दिवस की सबसे बड़ी सार्थकता है और यही वह संदेश है जिसे पूरी मानवता को अपनाना चाहिए।

**महेन्द्र तिवारी**

# दूधः स्वस्थ शरीर के लिए आवश्यक तत्व




दूध हमारे भोजन का एक प्रमुख हिस्सा है । इसे सम्पूर्ण भोजन भी माना जाता है । यह विटामिन ए, बी 2, डी, बी 12, कार्बोहाइड्रेट, पोटाशियम, मैग्निशियम, फास्फोरस, प्रोटीन का प्रमुख स्रोत है । आर्युवेदिक चिकित्सा पद्धति में विभिन्न असाध्य रोगों के निदान हेतु प्रयुक्त पंचगव्य के पांच तत्वों में तीन तत्व दूध तथा उसके उत्पाद क्रमशः दही एवं घी हैं।

गाय के दूध में 87 प्रतिशत जल होता है जबकि शेष 13 प्रतिशत में प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइट्रेट, विटामिन एवं अन्य पोषक खनिज पदार्थ मौजूद होते हैं। विटामिन ए और बी आंख एवं लाल रक्त कणिकाओं के निर्माण हेतु, बी 12 तंत्रिकाओं की उचित कार्यप्रणाली के लिए, मैगनिशियम मांसपेशियों की कार्यप्रणाली के लिए, फास्फोरस उर्जा प्रदान करने के लिए, प्रोटीन शरीर के विकास एवं मरम्मत के लिए, कैल्शियम और विटामिन डी हड्डियों की मजबूती एवं सुरक्षा हेतु आवश्यक होते हैं । सोडियम की मात्रा कम होने और पोटेशियम के कारण दूध रक्तचाप को सामान्य बनाए रखता है। दूध शरीर के कोलस्ट्रॉल को निष्प्रभावी कर देता है। यह कैंसर की आशंका को 35 प्रतिशत तक कम कर देता है । नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन के अनुसार मानव शरीर को प्रति दिन 1000 से 1200 मिलीग्राम कैल्सियम की आवश्यकता होती है और दूध कैल्शियम का प्रमुख स्रोत है।

दूध में अनेक पोषक तत्व उपलब्ध होते हैं, जो चमकती त्वचा के लिए आवश्यक है। इसमें उपलब्ध लैक्टिस एसिड जहां त्वचा को मुलायम रखता है, वहीं एंटी- ऑक्सीडेंटस पर्यावरण के विषैले प्रभाव से रक्षा करते हैं। दूध एवं दूध-उत्पाद कैल्सियम, फॉस्फोरस और प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य और विकास के लिए आवश्यक हैं। प्रति दिन एक गिलास दूध का सेवन हमारे लिए उपयोगी है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका कम हो जाती है। दूध में दो प्रकार के प्रोटीन होते हैं। कुल प्रोटीन का 80 प्रतिशत कैसीन और 20 प्रतिशत व्हे होता है। कैसीन दांतों के लिए उपयोगी है, क्योंकि यह दांतों के इनेमल पर पतली पर्त बना लेता है, जो दांतों और मसूढ़ों को स्वस्थ रखने में सहायक होता है।

दूध में मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों को शक्तिशाली बनाता है। व्यायाम के पश्चात दूध पीने पर कोशिकाओं में होने वाली टूट-फूट की मरम्मत हेतु शरीर को आवश्यक उर्जा प्राप्त होती है। साथ हीं यह वर्क-आउट के कारण शरीर में आई द्रव्य की कमी की पूर्ति भी करता है।

रात्रि में सोने के पूर्व दूध पीने पर मांसपेशियों और नसों को आराम मिलता है और नींद अच्छी आती है। दूध में मौजूद कैल्शियम, पोटेशियम और प्रोटीन रक्तचाप को संतुलित रखते हैं जिससे स्ट्रोक की संभावना कम हो जाती है। दूध कार्डियो वैस्कूलर बीमारियों का खतरा कम करता है। यह विटामिन बी 12 की प्रचुरता के कारण मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को भी दुरूस्त रखता है।

भारत विश्व का सबसे अधिक दूध उत्पादक और उपभोग करने वाला देश है। विश्व का लगभग 24 प्रतिशत दूध का उत्पादन भारत में होता है। वर्ष 1950-51 में देश में दुग्ध उत्पादन मात्र 17 मिलियन टन था । वर्ष 1968-69 में, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के द्वारा ऑपरेशन फ्लड प्रारम्भ किये जाने के पूर्व भारत में दूध का उत्पादन मात्र 21.2 मिलियन टन था, जो वर्ष 2024-25 तक बढ़कर 247.87 मिलियन टन हो गया है।

भारतवर्ष में दशकीय दुग्ध उत्पादन की स्थिति निम्नवत रही हैः- वर्ष 1951 - 17 मिलियन टन, 1951 - 17 मिलियन टन, 1961 - 20 मिलियन टन, 1971 - 22 मिलियन टन, 1981 - 31.6 मिलियन टन, 1991 - 53.9 मिलियन टन, 2001 - 80.6 मिलियन टन, 2011 - 121.8 मिलियन टन, एवं वर्ष 2021 - 210 मिलियन टन। स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में स्वस्थ नागरिक के भोज्य पदार्थ में दूध की अहम भूमिका है और प्रत्येक वर्ष 1 जून को आयोजित विश्व दुग्ध दिवस एवं 26 नवम्बर को आयोजित राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मानव समाज को इस दिशा में सकारात्मक पहल करने हेतु प्रेरित करता है।

**- ई0 प्रभात किशोर**

# ईरान की सैन्य शक्ति और अमेरिकी दबाव के बीच बदलता पश्चिम एशिया का शक्ति संतुलन

पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर बना दिया है। हाल के दिनों में ईरान द्वारा अमेरिकी रूक्त-1 ड्रोन को मार गिराने का दावा, होर्मुज स्ट्रेट के आसपास बढ़ती सैन्य गतिविधियां, लेबनान में संघर्ष और परमाणु समझौते को लेकर चल रही कूटनीतिक खींचतान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का मामला बन चुका है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का यह दावा कि ईरान परमाणु हथियार न बनाने और न खरीदने पर सहमत हो गया है, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक नई बहस को जन्म देता है। पहली नजर में ऐसा लग सकता है कि अमेरिका का दबाव काम कर रहा है और ईरान पीछे हट रहा है, लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। ईरान ने यदि परमाणु हथियारों के निर्माण से दूरी बनाने की बात स्वीकार भी की है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसकी सामरिक या सैन्य शक्ति कमजोर हो गई है। पिछले दो दशकों में ईरान ने अपनी रक्षा नीति को इस प्रकार विकसित किया है कि वह बिना परमाणु हथियारों के भी क्षेत्रीय स्तर पर एक प्रभावशाली शक्ति बना रहे।

ईरान की सबसे बड़ी ताकत उसकी मिसाइल क्षमता है। उसके पास हजारों किलोमीटर तक मार करने वाली बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें हैं, जो पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इजराइल जैसे देशों के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। इसके अलावा ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में भी ईरान ने उल्लेखनीय प्रगति की है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान ईरानी ड्रोन की चर्चा पूरी दुनिया में हुई थी। आज ईरान कम लागत में बड़ी संख्या में ऐसे ड्रोन तैयार करने में सक्षम है जो युद्ध के मैदान में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। ईरान की एक और बड़ी ताकत उसके क्षेत्रीय सहयोगी समूह हैं। लेबनान में हिजबुल्लाह, यमन में हूती संगठन, इराक और सीरिया में सक्रिय कई सशस्त्र समूह ईरान के प्रभाव क्षेत्र का हिस्सा माने जाते हैं। यही कारण है कि अमेरिका और इजराइल के लिए ईरान के साथ किसी भी संभावित संघर्ष का अर्थ केवल एक देश से युद्ध नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र में कई मोर्चों पर संघर्ष हो सकता है। यही वजह है कि अमेरिका की सैन्य शक्ति अत्यधिक मजबूत होने के बावजूद वह प्रत्यक्ष युद्ध को लेकर सावधानी बरतता दिखाई देता है।

अमेरिका ने लंबे समय से ईरान पर आर्थिक प्रतिबंधों, राजनीतिक दबाव और सैन्य चेतावनियों की नीति अपनाई है। उसका उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना और क्षेत्र में उसके प्रभाव को सीमित करना रहा है। लेकिन बीते वर्षों के अनुभव बताते हैं कि केवल दबाव की नीति से अमेरिका अपने सभी लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया है। प्रतिबंधों के बावजूद ईरान ने अपनी सैन्य क्षमताओं को विकसित किया और क्षेत्रीय राजनीति में अपनी मौजूदगी बनाए रखी। डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया बयान भी इसी द्वंद्व को दर्शाते हैं। एक तरफ वे कहते हैं कि अमेरिका अपनी शर्तें मनवा रहा है और दूसरी तरफ यह भी कहते हैं कि उन्हें समझौते की कोई जल्दी नहीं है। यह बयान बताता है कि वाशिंगटन अभी भी दबाव और कूटनीति दोनों रास्तों को साथ लेकर चलना चाहता है। यदि अमेरिका पूरी तरह आश्वस्त होता कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए अपने लक्ष्य हासिल कर सकता है, तो शायद वह समझौते की भाषा पर इतना जोर नहीं देता।

कई विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों में अमेरिका भी कुछ हद तक बैकफुट पर दिखाई दे रहा है। इसका कारण केवल ईरान की सैन्य शक्ति नहीं बल्कि वैश्विक परिस्थितियां भी हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक आर्थिक चुनौतियां और



ऊर्जा बाजार की अनिश्चितता अमेरिका को एक और बड़े युद्ध से बचने के लिए प्रेरित करती हैं। पश्चिम एशिया में किसी व्यापक संघर्ष का सीधा असर तेल की कीमतों, वैश्विक व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। होर्मुज स्ट्रेट इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। दुनिया के कुल समुद्री तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी जलमार्ग से होकर गुजरता है। यदि यहां किसी कारणवश आवाजाही प्रभावित होती है तो वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच सकती है। यही कारण है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश इस क्षेत्र को खुला और सुरक्षित रखना चाहते हैं, जबकि ईरान इसे अपने सामरिक प्रभाव के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में देखता है।

हाल के घटनाक्रम यह भी दिखाते हैं कि ईरान केवल सैन्य शक्ति के भरोसे नहीं चल रहा बल्कि वह कूटनीतिक स्तर पर भी सक्रिय है। ईरानी नेतृत्व लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। संसद के स्पीकर और अन्य वरिष्ठ नेताओं के बयान इसी रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं। वे स्पष्ट कर रहे हैं कि किसी भी समझौते को तभी स्वीकार किया जाएगा जब उसमें ईरानी जनता के अधिकारों और देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाए। दूसरी ओर इजराइल की चिंता मुख्य रूप से सुरक्षा से जुड़ी है। इजराइल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके क्षेत्रीय प्रभाव को अपने लिए खतरा मानता रहा है। इसलिए वह अमेरिका पर लगातार दबाव बनाता है कि ईरान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया जाए। लेबनान और अन्य क्षेत्रों में जारी सैन्य गतिविधियां इसी व्यापक रणनीतिक संघर्ष का हिस्सा हैं। वर्तमान स्थिति में यह कहना कठिन है कि अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौता कब और किस रूप में होगा। हालांकि इतना स्पष्ट है कि दोनों पक्ष प्रत्यक्ष युद्ध की कीमत को समझते हैं। यही कारण है कि कड़ी बयानबाजी और सैन्य तैयारियों के बावजूद बातचीत के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। ट्रम्प का यह कहना कि समझौता होने पर कई लोगों की जान बच सकती है, इस बात का संकेत है कि कूटनीति अभी भी सबसे महत्वपूर्ण विकल्प बनी हुई है।

कुल मिलाकर ईरान का परमाणु हथियार न बनाने पर सहमत होना एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम जरूर है, लेकिन इसे उसकी कमजोरी के रूप में नहीं देखा जा सकता। ईरान आज भी पश्चिम एशिया की सबसे प्रभावशाली सैन्य और राजनीतिक शक्तियों में से एक है। उसकी मिसाइल क्षमता, ड्रोन तकनीक, क्षेत्रीय नेटवर्क और भौगोलिक स्थिति उसे विशेष सामरिक महत्व प्रदान करती है। वहीं अमेरिका अपनी वैश्विक शक्ति और सैन्य क्षमता के बावजूद इस तथ्य को समझता है कि ईरान के साथ किसी बड़े संघर्ष के परिणाम केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहेंगे बल्कि पूरी दुनिया पर उनका प्रभाव पड़ेगा। इसीलिए वर्तमान परिस्थितियां यह संकेत देती हैं कि शक्ति प्रदर्शन और कूटनीति दोनों साथ-साथ चलेंगे। अमेरिका दबाव बनाए रखेगा, ईरान अपनी ताकत का प्रदर्शन करता रहेगा और दोनों पक्ष अपने-अपने हितों को सुरक्षित रखते हुए बेहतर सौदे की तलाश करेंगे। पश्चिम एशिया का भविष्य इसी संतुलन पर निर्भर करेगा कि टकराव कितना बढ़ता है और संवाद के रास्ते कितने खुले रहते हैं।

**कांतिलाल मांडोत**

# कविता




हौसले मुस्कुराए सभी बाधाओं पर।

यहाँ आकाश थमा है आशाओं पर,
सच का सावन बरसा है निराशाओं पर।

वक़्त ने लिख दिए कुछ नए फ़ैसले,
धूल जमने न दी उसने वफ़ाओं पर।

जो अँधेरों में भी दीप जलते रहे,
नाज़ आज भी उनकी अदाओं पर।

लोग पत्थर लिए घूमते रह गए,
फूल खिलते रहे प्रेम की बांहों पर।

दर्द ने जब भी दस्तक दी मेरे दर पर
प्रेम-गीत उगने लगे सूनी दिशाओं पर।

मतलब के शोर में दब गई थी सदा,
ध्यान किसका रहा मेरी सदाओं पर।

यहां धूप कितनी तमतमाती रही,
छाँव उतरी सदा नेक वफाओं पर।

ज़िंदगी ने कई इम्तिहाँ लिए मुझसे
हौसले मुस्कुराए सभी बाधाओं पर।

क्या कहें अब ये दुनिया अजब मोड़ पर,
नाम बिकते यहाँ झूठ की अदाओं पर।

संजीव अब भी यक़ीं है मुझे बेहद
कलियां खिलती रहेगी आशाओं पर।

**संजीव ठाकुर**

# दैनिक राशिफल

**मेष** आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। **शुभ रंग:** लाल 7 **शुभ अंक:** 9

**वृषभ** रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय में लाभ मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंग:** सफेद 7 **शुभ अंक:** 6

**मिथुन** आज व्यस्तता अधिक रहेगी। कार्यों में सफलता के लिए धैर्य बनाए रखें। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। यात्रा के योग बन सकते हैं। **शुभ रंग:** हरा 7 **शुभ अंक:** 5

**कर्क** परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न होगा। धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। **शुभ रंग:** चांदी 7 **शुभ अंक:** 2

**सिंह** नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। नौकरी में पद और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
**शुभ रंग:** सुनहरा 7 शुभ अंक: 1

**कन्या** आज मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है। व्यापार में नई योजनाएं लाभदायक रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। **शुभ रंग:** हरा 7 **शुभ अंक:** 7

**तुला** भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक मामलों में संतुलित व्यवहार रखें। निवेश के लिए दिन अच्छा है।
**शुभ रंग:** गुलाबी 7 **शुभ अंक:** 6

**वृश्चिक** कार्यस्थल पर चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें सफलतापूर्वक पार कर लेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
**शुभ रंग:** मैरून 7 **शुभ अंक:** 8

**धनु** धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। करियर में प्रगति के संकेत हैं। यात्रा से लाभ मिल सकता है।
**शुभ रंग:** पीला 7 **शुभ अंक:** 3

**मकर** महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं बनेंगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। **शुभ रंग:** नीला 7 **शुभ अंक:** 4

**कुंभ** साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक लाभ के नए स्रोत बन सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। **शुभ रंग:** आसमानी 7 **शुभ अंक:** 11

**मीन** नौकरी और व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।
**शुभ रंग:** पीला 7 **शुभ अंक:** 7

# टीबी अब लाइलाज नहीं समय पर पहचान और उपचार से संभव है पूरी तरह स्वस्थ जीवन

एक समय था जब टीबी यानी क्षय रोग का नाम सुनते ही मरीज और उसके परिवार में डर का माहौल बन जाता था। लोगों को लगता था कि यह बीमारी जीवन भर पीछा नहीं छोड़ेगी और इसका इलाज संभव नहीं है। जानकारी की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के कारण अनेक मरीज समय पर उपचार नहीं ले पाते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा विज्ञान ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज टीबी का प्रभावी इलाज उपलब्ध है और लाखों मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी रहे हैं। यही कारण है कि अब टीबी को लाइलाज बीमारी नहीं माना जाता बल्कि समय पर पहचान और नियमित उपचार से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है।

टीबी एक संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है। यह बीमारी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु के कारण होती है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने छींकने या बोलने के दौरान निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों के माध्यम से यह दूसरे लोगों तक फैल सकती है। हालांकि यह बीमारी केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं रहती बल्कि शरीर के अन्य अंगों जैसे हड्डियों लिम्फ नोड्स मस्तिष्क और गुर्दों को भी प्रभावित कर सकती है।

भारत लंबे समय से दुनिया में टीबी से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा है जबकि भारत ने इससे पहले ही टीबी मुक्त बनने का संकल्प लिया था। हालांकि यह लक्ष्य अभी पूरी तरह हासिल नहीं हो पाया है लेकिन सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जागरूकता अभियान बेहतर जांच सुविधाएं और मुफ्त उपचार जैसी योजनाओं ने इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में टीबी मरीजों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। 24 मार्च से शुरू किए गए 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत हाई रिस्क गांवों और क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग की जा रही है। आधुनिक तकनीक से लैस पोर्टेबल एक्स रे मशीनों का उपयोग किया जा रहा है जो गांव गांव पहुंचकर लोगों की जांच कर रही हैं। इन मशीनों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सॉफ्टवेयर लगा है जो मौके पर ही टीबी की आशंका का संकेत दे सकता है। इससे संदिग्ध मरीजों की पहचान तेजी से हो रही है और उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

टीबी की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लोग शुरुआती लक्षणों को सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी रहना टीबी का प्रमुख संकेत माना जाता है। इसके अलावा बुखार का बार बार आना रात में अत्यधिक पसीना आना वजन कम होना भूख न लगना सीने में दर्द होना सांस फूलना थकान बने रहना और बलगम में खून आना भी इसके महत्वपूर्ण लक्षण हैं। यदि किसी व्यक्ति में ये लक्षण दिखाई दें तो तुरंत जांच करानी चाहिए। समय पर जांच होने से बीमारी गंभीर होने से पहले ही पकड़ में आ जाती है।

आज टीबी की जांच पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और सटीक हो गई है। न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट जैसी आधुनिक जांच तकनीकों के माध्यम से कुछ ही समय में रोग की पुष्टि की जा सकती है। देशभर में सैकड़ों आधुनिक मशीनें स्थापित की गई हैं जिनसे छिपे हुए मरीज भी सामने आ रहे हैं। इससे संक्रमण के प्रसार को रोकने में मदद मिल रही है और मरीजों को शीघ्र उपचार मिल रहा है।

टीबी के इलाज में सबसे महत्वपूर्ण बात नियमित दवा सेवन है। सरकार की ओर से टीबी मरीजों को मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उपचार की अवधि सामान्यतः छह महीने या उससे अधिक हो सकती है जो बीमारी की गंभीरता पर निर्भर करती है। कई बार मरीज शुरुआती सुधार के बाद दवाएं लेना बंद कर देते हैं जिससे बीमारी दोबारा उभर सकती है और दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो सकती है। इसलिए चिकित्सकों की सलाह के अनुसार पूरा उपचार लेना अत्यंत आवश्यक है।

पोषण भी टीबी उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संतुलित आहार शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और मरीज को जल्दी स्वस्थ होने में सहायता करता है। पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन विटामिन और खनिज तत्वों का सेवन लाभकारी होता है। सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत टीबी मरीजों को पोषण सहायता भी प्रदान की जाती है ताकि उपचार के दौरान उन्हें आवश्यक पोषण मिल सके।



टीबी को लेकर समाज में फैली भ्रांतियां भी एक बड़ी समस्या रही हैं। कई लोग इस बीमारी को सामाजिक कलंक के रूप में देखते हैं जिसके कारण मरीज अपनी बीमारी छिपाने की कोशिश करते हैं। इससे उपचार में देरी होती है और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। आवश्यकता इस बात की है कि टीबी को एक सामान्य इलाज योग्य बीमारी के रूप में देखा जाए और मरीजों को सामाजिक सहयोग तथा मानसिक समर्थन दिया जाए।

कोविड महामारी के दौरान टीबी नियंत्रण कार्यक्रमों पर भी असर पड़ा था जिससे कई मरीज समय पर जांच और उपचार से वंचित रह गए। लेकिन अब स्वास्थ्य विभाग फिर से सक्रिय होकर व्यापक स्तर पर जांच अभियान चला रहा है। गांवों और दूरदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं ताकि कोई भी मरीज उपचार से वंचित न रहे।

टीबी के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार या स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसमें पूरे समाज की भागीदारी आवश्यक है। यदि किसी व्यक्ति में लक्षण दिखाई दें तो उसे जांच के लिए प्रेरित करना चाहिए। परिवार और समुदाय का सहयोग मरीज के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उपचार पूरा करने में मदद करता है।

आज चिकित्सा विज्ञान और सरकारी प्रयासों की बदौलत टीबी का सफल उपचार संभव है। लाखों लोग इस बीमारी को हराकर स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। इसलिए टीबी के लक्षण दिखने पर घबराने की नहीं बल्कि तुरंत जांच और उपचार शुरू कराने की जरूरत है। जागरूकता समय पर पहचान नियमित दवा सेवन और संतुलित पोषण के माध्यम से टीबी को पूरी तरह हराया जा सकता है। यदि समाज और स्वास्थ्य तंत्र मिलकर प्रयास करें तो टीबी मुक्त भारत का सपना भी निश्चित रूप से साकार हो सकता है।

**कांतिलाल मांडोत**

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

## संक्षिप्त खबरें

### अचानक भरभरा कर गिरा महुआ का पेड़, एक गंभीर समेत पांच घायल

**गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल किया गया रेफर**

**लंभुआ, सुल्तानपुर।** लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के पांडेपुर गांव में शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। गांव के सूरज कुमार, सुरजीत कुमार, शैलेश कुमार, संदीप कुमार, उमेश कुमार और दिव्यांशु गांव में स्थित एक विशाल महुआ के पेड़ के नीचे बैठकर हवा ले रहे थे। इसी दौरान बिना किसी आंधी-पानी या तेज हवा के अचानक महुआ का पेड़ भरभराकर गिर पड़ा। पेड़ गिरने से वहां बैठे युवक उसकी चपेट में आ गए, जिससे पांच लोग घायल हो गए। हादसे में सूरज कुमार को गंभीर चोटें आईं, जबकि अन्य चार युवकों को भी चोटें लगीं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सूरज कुमार की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं अन्य घायलों को उपचार के बाद घर भेज दिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर नायब तहसीलदार अभय राजपाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना तथा आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

### प्रहर्ष फाउंडेशन एवं चेतना साहित्य परिषद के तत्वाधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन संपन्न

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के प्रहर्ष फ़ाउंडेशन एवं चेतना साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वावधान में करन भाई सभागार, गांधी भवन, कैसरबाग, लखनऊ में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आर. पी. मिश्रा उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में टी.पी. हवेलिया एवं रामकृष्ण यादव ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी, संजय शौक, डॉ. आदित्य जैन, प्रमोद द्विवेदी, अंशु 'प्रिया' दुबे एवं आलोक रंजन मिश्रा ने अपनी प्रभावशाली काव्य प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवियों की ओज, हास्य, श्रृंगार एवं संवेदना से भरपूर रचनाओं को श्रोताओं ने खूब सराहा। इस अवसर पर प्रहर्ष फ़ाउंडेशन द्वारा हनुमान प्रसाद गर्ल्स इंटर कॉलेज की मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के निवेदक रामाशंकर दुबे, विपिन शर्मा, डॉ. सुमन दुबे, डॉ. शिव शरण 'कमलेश', एवं सुश्री सुधा गुप्ता की विशेष भूमिका रही।

### ग्रैंड वेनिस मॉल के मालिक सतिंदर सिंह भसीन को ED ने किया गिरफ्तार, धोखाधड़ी से निवेशकों के पैसे हड़पने का आरोप

**लखनऊ।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ग्रेटर नोएडा स्थित ग्रैंड वेनिस माल के संचालक सतिंदर सिंह भसीन को गिरफ्तार किया है। ईडी ने यह कार्रवाई भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (बीआइआइपीएल) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। ईडी ने पीएमएलए की गाजियाबाद स्थित विशेष अदालत में आरोपित को पेश कर छह जून तक का रिमांड हासिल किया है। सतिंदर सिंह भसीन, क्विंसी भशीन व उनके करीबियों ने रियल स्टेट परियोजनाओं में निवेशकों को मोटा लाभ दिलाने का लालच देकर 1300 करोड़ रुपये का चूना लगाया था। इस मामले को लेकर विभिन्न थानों में निवेशकों की शिकायत पर 80 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए थे। ईडी ने इन्हीं मुकदमों को आधार बनाकर अपनी जांच शुरू की थी। अभी तक की जांच में यह बात सामने आई है कि निवेशकों से जुटाई गई राशि का उपयोग आरोपित ने परियोजनाओं के निर्माण और विकास में करने के बजाय समूह की विभिन्न कंपनियों और संबद्ध संस्थाओं के जरिए दूसरे उद्देश्यों के लिए डायवर्ट और खर्च किया। इसके चलते आरोपित ने निवेशकों को व्यावसायिक इकाइयों की समय पर डिलीवरी नहीं की और न ही परियोजनाएं पूरी की। वहीं, इस मामले की सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने पिछली 15 मई को टिप्पणी की थी कि निवेशकों की रकम लेकर आरोपित ने परियोजना पूरी नहीं की और न ही निवेशकों को संबंधित इकाइयों का कब्जा दिया। इसलिए आरोपित को हिरासत में लिया जाए। इसके बाद ईडी ने शुक्रवार को आरोपित को गिरफ्तार कर शनिवार को उसे विशेष अदालत में पेश कर छह जून तक के लिए रिमांड पर लिया है। वहीं इस मामले में ईडी द्वारा पहले ही सतिंदर सिंह भसीन की राजौरी गार्डन स्थित 44.06 करोड़ रुपये की कोठी को अस्थायी रूप से कुर्क किया था। ईडी के अनुसार मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य आरोपितों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

# तुलसी नगर स्टेशन पर हाईकोर्ट सख्त

**● तीन महीने में फैसला लेने का रेलवे को आदेश, क्षेत्रवासियों में जगी उम्मीद**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ/सुलतानपुर।** सुलतानपुर जनपद के तुलसी नगर रेलवे स्टेशन पर यात्री ट्रेनों के ठहराव और वर्षों से बंद पड़ी पैसेंजर ट्रेनों के पुनः संचालन को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने उत्तर रेलवे को निर्देश दिया है कि आवेदन प्रस्तुत होने की तिथि से तीन महीने के भीतर तथ्यों का परीक्षण कर इस मामले में सकारण निर्णय लिया जाए। यह आदेश माननीय न्यायमूर्ति राजन रॉय एवं माननीय न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने जनहित याचिका संख्या WPIL 523/2026 अंकित सिंह बनाम भारत संघ एवं अन्य की सुनवाई के दौरान पारित किया। जनहित याचिका स्थानीय अधिवक्ता अंकित सिंह द्वारा क्षेत्रवासियों की समस्या को देखते हुए दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आशुतोष सिंह और विजय बहादुर सिंह ने अदालत में पक्ष रखते हुए कहा कि रेलवे स्टेशन पर करोड़ों रुपये खर्च कर आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं, लेकिन इसके बावजूद यात्री ट्रेनों का ठहराव न होना जनता के साथ अन्याय है। अधिवक्ताओं ने अदालत को बताया कि यह स्थिति संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(ख) और 21 के तहत नागरिकों को मिले अधिकारों का उल्लंघन है। अदालत ने इन तर्कों को गंभीरता से लेते हुए रेलवे प्रशासन को समयबद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया।

**करोड़ों खर्च, फिर भी नहीं रुक रहीं ट्रेनें**

याचिका में कहा गया है कि पिछले एक-दो वर्षों में तुलसी नगर स्टेशन के आधुनिकीकरण पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए। स्टेशन पर नया प्लेटफॉर्म, स्काईवॉक, सीढ़ियां और अन्य आधुनिक यात्री सुविधाएं बनाई गईं, लेकिन इसके बावजूद यहां किसी भी महत्वपूर्ण यात्री ट्रेन का ठहराव नहीं हो रहा है। याचिका में इसे लोकधन की बर्बादी बताते हुए रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 11 और 12 का हवाला दिया गया, जिसके तहत आम जनता को सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना रेलवे का वैधानिक दायित्व है।

**दो लाख आबादी को राहत की उम्मीद**

तुलसी नगर रेलवे स्टेशन सुलतानपुर जिले के हरपुर, सजमपुर, पतारखास समेत आजमगढ़ जिले के खंडौरा और कादीपुर क्षेत्र के दर्जनों गांवों की करीब दो लाख आबादी के लिए अहम यातायात केंद्र है।

ट्रेनों के ठहराव न होने से रोजाना रोजगार, व्यापार, शिक्षा और इलाज के लिए अयोध्या, वाराणसी, जौनपुर और लखनऊ आने-जाने वाले सैकड़ों यात्रियों और छात्रों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्टेशन की खास बात यह भी है कि यह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के अकबरपुर-शाहगंज कट के बेहद करीब स्थित है, जिससे यहां बेहतर इंटर-मॉडल ट्रांसपोर्ट व्यवस्था की संभावनाएं हैं।

**इन ट्रेनों के ठहराव की मांग**

रेलवे प्रशासन को सौंपे गए प्रतिवेदन में निम्न मांगें प्रमुख रूप से रखी गई हैं–

फिरोजपुर-धनबाद गंगा-सतलज एक्सप्रेस (13307/13308) का नियमित ठहराव

बहराइच-वाराणसी इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव

वर्षों से बंद वाराणसी-लखनऊ पैसेंजर ट्रेनों का तत्काल पुनः संचालन

**क्षेत्र में खुशी की लहर**

हाईकोर्ट के आदेश के बाद क्षेत्रवासियों और दैनिक यात्रियों में उम्मीद जगी है। लोगों का कहना है कि यदि ट्रेनों का ठहराव शुरू हो जाता है तो हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा और क्षेत्र के व्यापार तथा शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

## प्रतिबंधित पेड़ो पर आरा चला रहे है लकड़कट्ट

**● थाना सकरन क्षेत्र में सरे आम कटे जा रहे हैं प्रतिबंधित (जामुन) पेड़**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सकरन:** थाना सकरन क्षेत्र के गांव में लकड़कट्टों ने प्रतिबंधित जामुन के पेड़ों की निर्भीक अवैध कटाई कर दी है। सरे आम हो रही इस कटाई से स्थानीय पर्यावरण को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। बड़े जामुन के पेड़ को हाल ही में आरा चलाकर काट दिया गया है। जामुन के पेड़ वन विभाग के नियमों के तहत संरक्षित श्रेणी में आते हैं। इनकी कटाई के लिए वन विभाग की लिखित अनुमति अनिवार्य है, लेकिन थाना सकरन क्षेत्र के गांव में लकड़कट्टे बिना किसी डर के खुले आम इन पेड़ों को काट रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार यह कोई पहली घटना नहीं है। क्षेत्र में पिछले कई दिनों से ऐसी अवैध कटाई लगातार जारी है। वन विभाग और पुलिस प्रशासन की उदासीनता से अवैध लकड़कट्टों का हौसला बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि समय रहते रोकथाम नहीं की गई तो पूरे क्षेत्र के जंगल साफ हो जाएंगे। जामुन के पेड़ केवल फल देने वाले ही नहीं, बल्कि मिट्टी के कटाव को रोकने, भूमिगत जल स्तर बनाए रखने और जैव विविधता को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बड़े पैमाने पर इनकी कटाई से क्षेत्र में पर्यावरणीय असंतुलन, जल संकट और जैव विविधता के नुकसान की आशंका बढ़ती है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से तुरंत संज्ञान लेने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। अब देखना यह है कि वन विभाग और थाना सकरन पुलिस इस पर्यावरणीय अपराध पर कितनी तेजी से कार्रवाई करती है।

## पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भारी वाहन पलटा

**● डिवाइडर से टकराकर हुआ हादसा, ट्रेलर पर लदे थे ट्रैक्टर; चालक-क्लीनर को आई चोटे**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शनिवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। पंजाब से असम जा रहा एक भारी वाहन डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि इस हादसे में वाहन चालक और क्लीनर बाल-बाल बच गए और कोई गंभीर हताहत नहीं हुआ। यह घटना दोपहर करीब 12:50 बजे हलियापुर थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के पैकेज-03 पर किलोमीटर 80.200 के पास हुई। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर लदा एक ट्रेलर (PB 65 BC 1765) पंजाब से असम के गुवाहाटी की ओर जा रहा था। बताया गया है कि वाहन के चालक कन्हैया को अचानक नींद की झपकी आ गई। तेज रफ्तार होने के कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और ट्रेलर सीधे डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर लदा यह ट्रेलर सड़क से नीचे उतरकर पूरी तरह पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा (PEIDA) की रेस्क्यू टीम और एम्बुलेंस महज 5 मिनट के भीतर दोपहर 1 बजकर 02 मिनट पर मौके पर पहुंच गई। वाहन में सवार ड्राइवर कन्हैया (पुत्र मुन्नू लाल, निवासी ददिया, थाना टटिया, जिला फर्रुखाबाद) और उनके साथी सौरव (पुत्र दुर्ग नारायण) को तुरंत बाहर निकाला गया। इस भयानक हादसे में दोनों को सिर्फ मामूली खरोंचें आईं। यूपीडा टीम के एएसओ राम चंद्र वर्मा, सेफ्टी टीम और एम्बुलेंस स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को नजदीकी सीएचसी अस्पताल पहुंचाया। वहां पट्टी कराने के बाद दोनों की हालत सामान्य बताई जा रही है।

## मारपीट के बाद सबमर्सिबल का बोर किया खराब, पांच पर मुकदमा दर्ज

**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के महाखेड़ा गांव की रहने वाली एक महिला ने गांव के पांच लोगों पर मारपीट करने और सबमर्सिबल पंप का बोर खराब करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी गीता ने पुलिस को बताया कि 19 मई को गांव के सत्य प्रकाश, शिवम, संदीप, संजय और मनोज ने उसके साथ मारपीट की। गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद डर के कारण वह अपने रिश्तेदार के यहाँ चली गई। आरोप है कि इसी दौरान आरोपियों ने उसके घर के बाहर लगे सबमर्सिबल पंप की पाइप तोड़ दी। बोर में ईंट, पत्थर और कंकड़ डालकर उसे पूरी तरह खराब कर दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

## सपा का लंभुआ में जनसमस्याओं पर प्रदर्शन

**● राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सुलतानपुर/ लंभुआ-** बढ़ती जनसमस्याओं और बदहाल बिजली व्यवस्था को लेकर शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन जितेंद्र वर्मा उर्फ बाजीगर वर्मा के नेतृत्व में किया गया। सपा नेताओं ने महामहिम राज्यपाल को संबोधित एक 7 सूत्रीय मांग पत्र एसडीएम लंभुआ को सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि लगातार बढ़ रहे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दामों ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। महंगाई चरम पर है, जिससे गरीब, किसान, मजदूर, व्यापारी और मध्यमवर्गीय परिवार गहरे आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उनका कहना था कि भाजपा सरकार जनता को राहत देने में पूरी तरह विफल रही है। विधानसभा लंभुआ, तहसील लंभुआ सहित पूरे जनपद में अघोषित बिजली कटौती से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। घंटों बिजली गुल रहने के कारण बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और आम नागरिक इस भीषण गर्मी में परेशान हैं। लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच जनता को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने नीट परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने को देश के लगभग 22 लाख प्रतिभाशाली छात्रों के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ बताया। उन्होंने कहा कि यह युवाओं के सपनों और उनकी मेहनत पर सीधा हमला है, और भाजपा सरकार की भ्रष्ट व लापरवाह व्यवस्था ने युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। क्षेत्र का किसान इस समय खाद की भारी किल्लत से जूझ रहा है, जिसका सीधा प्रभाव कृषि व आगामी फसलों पर पड़ रहा है। नहरों में पानी न आने के कारण किसानों को खेतों की सिंचाई करने और पशुओं को पीने के पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आदर्श नगर पंचायत लंभुआ के वार्ड नंबर 4, कृष्णानगर (परसरामपुर) में बिजली आपूर्ति के लिए 100 से 200 मीटर दूर से खुले केबल खींचकर विद्युत आपूर्ति की जा रही है, जिससे हमेशा दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि यहां तत्काल बिजली के खंभों (पोल) की व्यवस्था कराई जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से सपा लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव (भजन प्रधान), जिला सचिव जसवीर राम, अशोक यादव (लंकेश), राधेश्याम वर्मा, रणजीत यादव पूर्व प्रधान, सत्यनारायण पाल (सचिव), शहाबुद्दीन खान, अमर बहादुर यादव, अनिल यादव, सुग्रीव निषाद (सेक्टर प्रभारी), रमेश कुमार यादव, बृजेश यादव, मुकेश यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी और लोहिया वाहिनी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## अघोषित विद्युत कटौती से परेशान ग्रामीणो के साथ सपा का विशाल धरना-प्रदर्शन

**● उच्चधिकारियों को चेतावनी समाधान ना हुआ तो आंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा...**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**रायबरेली-** सतांव-जनपद के 179 हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त भीषण विद्युत संकट एवं अघोषित बिजली कटौती के विरोध में समाजवादी पार्टी ने शुक्रवार को व्यापक धरना-प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार तथा विद्युत विभाग के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। समाजवादी पार्टी के विधायक राहुल शिव गणेश लोधी राजपूत एवं जिलाध्यक्ष इंजीनियर वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ता, किसान, महिलाएं और स्थानीय नागरिक 33/11 विद्युत उपकेंद्र गुरुबख्शगंज पहुंचे, जहां उन्होंने धरना देकर अपनी मांगों को बुलंद किया। धरना-स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि भीषण गर्मी के दौर में क्षेत्रीय जनता अघोषित विद्युत कटौती, लो-वोल्टेज, बार-बार होने वाली ट्रिपिंग तथा जर्जर विद्युत अवसंरचना की समस्याओं से जूझ रही है। किसानों को सिंचाई कार्यों में गंभीर व्यवधानों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे कृषि उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्था के कारण विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। समाजवादी पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को संबोधित 10 सूत्रीय ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपते हुए क्षेत्र में नए ट्रांसफार्मरों की स्थापना, क्षतिग्रस्त एवं जर्जर विद्युत लाइनों के नवीनीकरण, स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण, उपकेंद्रों पर कर्मचारियों की अनिवार्य तैनाती तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने की मांग की। जानकारी के मुताबिक जनपद के 179 विधानसभा हरचंदपुर के विधायक राहुल शिव गणेश लोधी राजपूत ने कहा कि बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए जनता को सड़कों पर उतरकर संघर्ष करना पड़ रहा है, जो शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो समाजवादी पार्टी व्यापक जनआंदोलन छेड़ने के लिए बाध्य होगी। जबकि कुछ दिनों पूर्व क्षेत्रीय विधायक द्वारा विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की समास्याओं से अवगत कराया था परन्तु फिर भी जब समास्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आज आमजन मानस के साथ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं सहित पैदल मार्च करते हुए धरना प्रदर्शन कर राजपाल को सम्बोधित 10सूत्तीय मांगो के साथ अधिशाषी अभियंता रायबरेली को ज्ञापन सौपा। और कहां की अगर अब भी विभाग विद्युत कटौती आदि पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले समय में आंदोलन के स्वरूप दिया जाएगा धरना-प्रदर्शन में विधानसभा अध्यक्ष राकेश यादव, कृपाशंकर यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू सिंह, मोहम्मद रईस खान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश सिंह, निर्भय सिंह, सुरेश पासवान, जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी खीरों पवन पासवान,जम समाजवादी पार्टी अम्बेडकर वाहिनी राष्ट्रीय महासचिव सत्येश गौतम, शिव सिंह यादव, जमील अहमद वरिष्ठ सपा कार्यकर्ता राम बहादुर पासवान, जितेंद्र यादव, दीपू शुक्ला सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। बीते दिन समाजवादी पार्टी 179 विधानसभा हरचंदपुर के विधायक राहुल शिव गणेश लोधी राजपूत द्वारा विद्युत निबंधन उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर विद्युत विभाग की समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद की थी परंतु इतने दिनों के गुर्जर जाने के बावजूद विभाग के अधिकारीगणों मामले को गंभीरता से नहीं लिया। जिसके फल स्वरुप आज रायबरेली जनपद के समाजवादी पार्टी पदाधिकारियों के साथ क्षेत्र की आम जनमानस ने सपा केंद्रीय कार्यालय गुरूबक्सगंज से विद्युत उपकेंद्र 33/11 गुरबक्श गंज तक पैदल मार्च कर प्रदर्शन किया। सपा के जिला अध्यक्ष इंजीनियर वीरेंद्र यादव वह क्षेत्रीय विधायक राहुल शिव गणेश लोधी राजपूत द्वारा कहां गया कि विभाग के उच्च अधिकारियों ने समय रहते ध्यान नही दिया तो जन आंदोलन किया जाएगा।

## पत्रकारिता दिवस पर समाचार वितरकों का हुआ सम्मान

**● कलम शक्ति ट्रस्ट की गोष्ठी में वितरकों को शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लालगंज (रायबरेली)।** पत्रकारिता दिवस के अवसर पर शनिवार को कस्बे के एक गेस्ट हाउस में कलम शक्ति ट्रस्ट की ओर से गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाचार पत्र वितरकों को सम्मानित कर उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की गई। वरिष्ठ पत्रकार शेर बहादुर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में दीपप्रकाश शुक्ला ने कहा कि समाचार वितरक पत्रकारिता की एक अहम कड़ी हैं। वे हर मौसम और विषम परिस्थितियों में भी घर-घर अखबार पहुंचाकर लोगों तक समय पर समाचार पहुंचाने का कार्य करते हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता ने पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महिलाओं की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। कलम शक्ति ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने राहुल शुक्ला, राजन दीक्षित, ननकू, अयोध्या, ओमप्रकाश तिवारी, शिवकुमार शुक्ला, अभिनव और शिव नरेश शर्मा समेत अन्य समाचार वितरकों को शॉल ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन कवि योगेंद्र प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता अतुल सिंह, दीपेंद्र गुप्ता, बीडीओ गगनदीप सिंह, इंस्पेक्टर प्रमोद सिंह, रमेश सिंह, विकास सिंह, शिवसागर, अंकुर श्रीवास्तव,जितेंद्र सविता, मोहम्मद परवेज़, कुलदीप सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## दलित महिला का पीछा करने पर युवक पर मामला दर्ज

**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली दलित महिला ने जगतपुर थाना क्षेत्र निवासी युवक पर पीछा करने और जबरन बात करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि आरोपी उसके मायके के पास का रहने वाला है। वह जब भी दवा लेने के लिए बाहर जाती है आरोपी रास्ते में उसका पीछा करता है और जबरन बात करने का दबाव बनाता है। विरोध करने पर आरोपी जहर खाकर जान देने की धमकी देता है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी संदीप के विरुद्ध संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

## लखनऊ में निर्माण के दो दिन में उखड़ने लगी नई सड़क, ग्रामीणों ने उठाए गुणवत्ता पर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** राजधानी में सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र की पिपरसंड ग्रामसभा के मजरा गुलालखेड़ा में लोक निर्माण विभाग ने जिस सड़क का निर्माण करवाया है, उसने दो दिन बाद ही परत छोड़ दी है। नई सड़क की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि बाबा जय सिंह से गुलालखेड़ा तक बनाई गई सड़क के निर्माण में घोटाला हुआ है। निर्माण के दो दिन बाद ही उखड़ने से इसकी गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार सड़क निर्माण के लिए शासन से धन स्वीकृत हुआ था और लंबे समय के बाद यह कार्य पूरा कराया गया। लेकिन सड़क बनने के कुछ ही घंटों बाद इसकी परतें उखड़ने लगीं। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की गई है, जिसके चलते नई सड़क जल्द ही क्षतिग्रस्त हो गई।

सड़क की खराब गुणवत्ता को लेकर क्षेत्रीय लोगों ने सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरें साझा कर विरोध दर्ज कराया है। वायरल हो रहे वीडियो और फोटो में सड़क की परतें उखड़ी हुई दिखाई दे रही हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही भविष्य में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने की भी अपील की है।

## TMC नेता अभिषेक बनर्जी पर जानलेवा हमला, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने की निंदा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**लखनऊ।** बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर शनिवार को हमले की समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निंदा की है। उन्होंने इसको सुनियोजित हमला बताया और शुभेंद्र अधिकारी सरकार पर निशाना साधा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी पर शनिवार को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में चप्पल, जूते और डंडे को चुनावोत्तर हिंसा बताया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर अपने एक्स हैंडल पर अभिषेक बनर्जी पर हमले को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने लिखा कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के महत्वपूर्ण नेता अभिषेक बनर्जी पर जानलेवा हमला करवाकर बंगाल की अराजक भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि भाजपा नफरत भरी नकारात्मक हिंसक राजनीति के सिवा और कुछ नहीं कर सकती है। इतने संवेदनशील वातावरण में भी पुलिस की व्यवस्था न होना एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। घोर निंदनीय। गौरतलब है कि सांसद अभिषेक बनर्जी के सोनारपुर पहुंचने से पहले शनिवार को कामलगाजी इलाके में महिलाओं ने काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद जैसे ही अभिषेक सोनारपुर में दाखिल हुए विरोध और उग्र हो गया। भीड़ ने उन्हें घेर लिया और लगातार अंडे फेंके गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धक्का-मुक्की और हाथापाई में उनकी घड़ी और चश्मा भी क्षतिग्रस्त हो गए। विरोध के बावजूद अभिषेक अंततः चुनाव बाद हिंसा में मारे गए तृणमूल कार्यकर्ता संजू कर्मकार के घर पहुंचे। वहां उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में 'डबल इंजन सरकार' के नाम पर विपक्षी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि वे वहां से चले जाते तो पीड़ित परिवार और अधिक असुरक्षित हो जाता।

## संक्षिप्त खबरें

### पटना एयरपोर्ट के लिए 'रेड अलर्ट', कचरे से बढ़ी पक्षियों की भीड़ और बर्ड हिट का खतरा



**पटना।** राजधानी पटना के गर्दनीबाग स्थित नगर निगम के गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन को हटाने की कवायद एक वर्ष बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। इसके चलते पटना एयरपोर्ट के आसपास पक्षियों की बढ़ती मौजूदगी ने विमान सुरक्षा को लेकर नई चिंता खड़ी कर दी है। मानसून की दस्तक के साथ बर्ड हिट का खतरा और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। गर्दनीबाग स्थित ट्रांसफर स्टेशन पर रोजाना बड़ी मात्रा में कचरा जमा होता है। कचरे की वजह से यहां कौआ, चील, गिद्ध समेत कई पक्षियों का जमावड़ा लगा रहता है। ये पक्षी अक्सर उड़ान भरते और उतरते विमानों के मार्ग में पहुंच जाते हैं, जिससे दुर्घटना का जोखिम बढ़ जाता है। पिछले एक वर्ष में एयरपोर्ट पर्यावरण समिति की कम से कम तीन बैठकों में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया। पटना नगर निगम को गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन को एयरपोर्ट क्षेत्र से दूर स्थानांतरित करने की समय-सीमा भी दी गई थी, लेकिन अब तक यह काम पूरा नहीं हो सका है। पटना एयरपोर्ट देश के व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल है, जहां प्रतिदिन 80 से अधिक विमानों का संचालन होता है। ऐसे में एयरपोर्ट के आसपास पक्षियों की बढ़ती गतिविधियां विमान परिचालन के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। मानसून के दौरान नमी और कचरे के कारण पक्षियों की संख्या और बढ़ने की संभावना रहती है एयरपोर्ट निदेशक सीपी द्विवेदी ने कहा कि एयरपोर्ट के 15 किलोमीटर के दायरे में स्वच्छता बनाए रखना बेहद जरूरी है। खासकर रनवे क्षेत्र, सचिवालय और फुलवारी शरीफ इलाके में ऐसी कोई गतिविधि नहीं होनी चाहिए जिससे पक्षियों का झुंड आकर्षित हो। इससे विमान संचालन प्रभावित हो सकता है। नगर निगम के अनुसार गर्दनीबाग में 11.42 करोड़ रुपये की लागत से नया गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन विकसित किया जा रहा है। परियोजना का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। विभाग से अतिरिक्त राशि की मांग की गई है और धनराशि मिलते ही दो महीने के भीतर शेष कार्य पूरा करने का दावा किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि बर्ड हिट किसी भी विमान के इंजन और महत्वपूर्ण हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में मानसून से पहले गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन को हटाने या पक्षियों की आवाजाही रोकने के प्रभावी उपाय नहीं किए गए तो विमान सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडरा सकता है।

### दिल्ली के साकेत में भर-भराकर गिरा पांच मंजिला मकान, मलबे में कई लोगों के दबने की आशंका



**दिल्ली।** राजधानी में शनिवार की शाम को साकेत स्थित सैदुलअजाइब में पांच मंजिला मकान गिरने से मलबे में कई लोगों के दबने की खबर से हड़कंप मच गया। फिलहाल, स्थानीय लोगों ने बचाव राहत कार्य शुरू कर दिया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मकान गिरने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू कर दिया। वहीं, पुलिस को भी सूचना दी गई। राजधानी दिल्ली के साकेत स्थित सैदुल्लाजाब इलाके में शनिवार रात एक बहुमंजिला इमारत पूरी तरह से ढह गई। यह घटना साकेत मेट्रो स्टेशन के पास हुई। दिल्ली फायर सर्विस को शाम 7:44 बजे सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची फायर टीम ने पुष्टि की कि एक पांच मंजिला इमारत गिर गई है, जिसके मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। राजधानी दिल्ली के साकेत क्षेत्र में शनिवार शाम एक मकान के गिरने की सूचना मिली। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि उनको शाम करीब 7:44 बजे यह कॉल मिली। इसके बाद तुरंत फायर टेंडर मौके पर रवाना कर दिए गए। वहीं, स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सभी राहत कार्य तेजी से करना आरंभ कर दिया है। इसके तुरंत बाद घटनास्थल पर शुरू में 3 वाटर टेंडर और एक आईआरटी रवाना किए गए। बाद में एक और वाटर टेंडर और एक लाइट वैन भेजी गई। रेस्क्यू और राहत कार्य तेजी से चल रहा है। स्थानीय लोगों ने भी तुरंत बचाव कार्य में सहयोग शुरू कर दिया था। अभी तक हताहतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फायर सर्विस, पुलिस और अन्य एजेंसियां मौके पर सक्रिय हैं।

# जल्दी शुरू हो सकते हैं प्लास्टिक के नोट

**● आरबीआई कर रहा है तैयारी**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता



संवाददाता सचिन बाजपेई

**नई दिल्ली,** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) जल्द ही प्लास्टिक (पॉलीमर) के नोट जारी करने की दिशा में बड़ा कदम उठा सकता है। कागजी नोटों की बढ़ती मांग, मुद्रण लागत में तेज वृद्धि और जल्द खराब होने वाली करेंसी को ध्यान में रखते हुए आरबीआई एक दशक पुरानी योजना को पुनर्जीवित कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही 10 और 20 जैसे छोटे मूल्यवर्ग के नोटों के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा सकता है।

**आरबीआई की योजना और पृष्ठभूमि**

आरबीआई के पिछले दो बोर्ड मीटिंग्स (पटना और मुंबई) में इस प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा हुई है। प्रमुख मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरबीआई एक पायलट प्रोजेक्ट की घोषणा करने वाला है, जिसमें पॉलीमर नोटों को आम जनता के बीच परीक्षण के लिए जारी किया जाएगा। यह योजना 2012 में शुरू की गई थी, जब पांच शहरों में 10 के पॉलीमर नोटों का पायलट चलाया गया था। लेकिन उस समय एटीएम मशीनें इन मोटे नोटों को हैंडल नहीं कर पाती थीं, जिसके कारण योजना रोक दी गई। अब तकनीकी प्रगति के साथ यह समस्या हल हो चुकी है।

**क्यों ला रहा है आरबीआई प्लास्टिक नोट?**

-बढ़ती करेंसी डिमांडः डिजिटल पेमेंट्स के बावजूद भौतिक करेंसी की मांग लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में करेंसी इन सर्कुलेशन 42.86 ट्रिलियन के करीब पहुंच गई है, जो पिछले साल की तुलना में 11.5% अधिक है। -मुद्रण लागत का बोझःवित्त वर्ष 2024-25 में नोट छापने पर 6,373 करोड़ खर्च हुए। कागजी नोट जल्दी गंदे और फट जाते हैं, जिससे हर साल अरबों नोट वापस लिए जाते हैं। टिकाऊपनः पॉलीमर नोट कागजी नोटों की तुलना में 3-4 गुना अधिक टिकाऊ होते हैं। ये पानी, गंदगी और फटने से ज्यादा सुरक्षित रहते हैं। जालसाजी रोकथामः पॉलीमर नोटों में बेहतर सिक्योरिटी फीचर्स लगाए जा सकते हैं, जिससे नकली नोटों को बनाना और मुश्किल हो जाएगा।

**पॉलीमर नोट क्या हैं?**

पॉलीमर नोट प्लास्टिक जैव-आधारित पॉलीप्रोपाइलीन या समान सामग्री से बने होते हैं। दुनिया भर में 60 से ज्यादा देश (ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन आदि) पहले से इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। ये नोट लंबे समय तक चलते हैं, जिससे लंबे समय में सरकार और आरबीआई को लागत बचत होती है।

**चरणबद्ध रणनीति**

आरबीआई तुरंत सभी नोटों को प्लास्टिक में बदलने की योजना नहीं बना रहा है। पहले चरण में छोटे मूल्यवर्ग (10 और 20) के नोटों का पायलट लॉन्च होगा। पायलट की सफलता के बाद ही बड़े नोटों पर विचार किया जाएगा। एटीएम और मुद्रण प्रक्रिया को भी अपडेट किया जाएगा।

**विशेषज्ञों की राय**

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम पर्यावरण और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। हालांकि, शुरुआती चरण में जनता को नई नोटों की आदत डालने और सप्लाई चेन में बदलाव की चुनौतियां भी होंगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में यह पहल करेंसी मैनेजमेंट को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अभी देखना बाकी है कि पायलट प्रोजेक्ट कब शुरू होता है और आम लोगों की प्रतिक्रिया क्या होती है। अगर सब ठीक रहा तो आने वाले समय में आपके बटुए में प्लास्टिक के नोट भी दिख सकते हैं।

## बेंगलुरु-गुजरात मुकाबले से पहले अहमदाबाद में आसमान छू रहे होटल के दाम, फ्लाइट के टिकट प्राइस में भी बढ़ोतरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता



**दिल्ली।** आईपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम होस्ट करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। फाइनल मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाला है। इस मुकाबले में विराट कोहली और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी खेलते हुए दिखाई देंगे। मैच से पहले होटल और फ्लाइट के टिकटों के दाम भी बढ़ गए हैं। खिताबी मुकाबला रविवार, 31 मई को खेला जाएगा। इसके लिए फैंस में उत्साह भी देखने को मिल रहा है। लोग इस मुकाबले के लिए नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जाना चाहते हैं लेकिन फ्लाइट के टिकट के दाम आसमान छू रहे हैं। इसके अलावा होटल और रेस्टोरेंट ने भी दाम बढ़ा दिए हैं। ऐसे में फाइनल देखने वाले फैंस के लिए ये काफी महंगा हो सकता है।

**होटल के दामों में बढ़ोतरी**

IPL 2026 फाइनल मैच से पहले 30 और 31 मई के दौरान अहमदाबाद के ज्यादातर प्रीमियम होटल हाउसफुल हो गए हैं। होटल और रेस्टोरेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट नरेंद्र सोमानी के मुताबिक, छुट्टियों की वजह से युवाओं में मैच देखने का क्रेज बढ़ता है, जिससे होटल इंडस्ट्री को लगभग 150 से 200 करोड़ का एक्स्ट्रा प्रॉफिट हो सकता है। अभी अहमदाबाद शहर में करीब 200 3-स्टार और 5-स्टार होटल हैं, जिनमें कुल 20 हजार कमरे हैं और अनुमान है कि मैच की वजह से सभी कमरे बुक हो जाएंगे। होटलों के दाम, जो आम दिनों में 8-10 हजार होते थे, अब 25 से 30 हजार के पार हो गए हैं।मैच देखने आने वाले हर व्यक्ति को कम से कम एक दिन होटल में रुकना होगा, इसलिए होटल के कमरों के दाम 20 परसेंट तक बढ़ सकते हैं। खासकर, रिंग हाईवे, मोटेरा, चांदखेड़ा और गांधीनगर इलाकों के होटलों की डिमांड सबसे ज्यादा है।

**फ्लाइट टिकट के भी बढ़े दाम**

देश भर से हजारों क्रिकेट फैन मैच देखने अहमदाबाद आ रहे हैं। आने-जाने का सबसे तेज जरिया, फ्लाइट टिकट में भी भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है। फ्लाइट का किराया बढ़कर 38,000 रुपये हो गया है। आम दिनों में 7000-8000 का किराया अब बढ़कर 38,000 हो गया है। इसके अलावा, ट्रेन और बस टिकट की डिमांड भी काफी बढ़ गई है।

## ग्रीन कार्ड नियम पर ट्रंप प्रशासन का यू-टर्न

**● लाखों भारतीयों को बड़ी राहत**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता



**दिल्ली।** अमेरिका के ट्रंप प्रशासन का ग्रीन कार्ड पर हफ्तेभर के अंदर ही यू-टर्न सामने आया है। उसने कहा कि ग्रीन कार्ड के लिए ज्यादातर आवेदकों को अमेरिका छोड़ने की जरूरत नहीं है। प्रशासन ने कुछ दिनों पहले कहा था कि जो विदेशी अस्थायी तौर पर अमेरिका में हैं, उन्हें ग्रीन कार्ड आवेदन के लिए अपने वतन वापस लौटना होगा। अब इस ताजा बयान से अमेरिका में रहकर स्थायी निवासी बनने (ग्रीन कार्ड हासिल करने) का सपना देख रहे लाखों भारतीयों समेत विदेशी नागरिकों को राहत मिलेगी। ग्रीन कार्ड एक स्थायी निवास कार्ड है, जिससे किसी व्यक्ति को अमेरिका में स्थायी रूप से बसने और काम करने की अनुमति मिल जाती है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार को अपने पिछले सप्ताह के बयान को स्पष्ट करने का प्रयास किया, जिसमें उसने यह घोषणा की थी कि अमेरिका में स्थायी निवास चाहने वाले विदेशी नागरिकों को अपने गृह देशों को लौटकर ग्रीन कार्ड का इंतजार करना होगा। विभाग ने दावा किया कि नीति में कोई अहम बदलाव नहीं किया गया है। केवल कुछ ही लोगों को वापस जाना होगा। गृह सुरक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने एक बयान में यह जानकारी दी।

## सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा में तकनीकी खामी, कई केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने में हुई देरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली –** राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने आज सूचित किया है कि साझा विश्वविद्यालय स्नातक प्रवेश परीक्षा 2026 के दौरान कुछ परीक्षा केंद्रों पर बड़ी तकनीकी गड़बड़ी हो गई। इससे परीक्षा शुरू करने में देरी हुई। एजेंसी के अनुसार, परीक्षा आयोजन की जिम्मेदारी संभाल रही कंपनी ने बताया कि उनके स्तर पर हुई तकनीकी समस्या के कारण 30 मई 2026 को कुछ केंद्रों पर परीक्षा समय पर शुरू नहीं हो सकी। अब समस्या का समाधान कर लिया गया है और सभी प्रभावित विद्यार्थियों को पूरा अतिरिक्त समय दिया जा रहा है ताकि किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय न हो।

**दोपहर सत्र का संशोधित समय**

एजेंसी ने दोपहर के सत्र के लिए समय में बदलाव किया है। अब अभ्यर्थियों को इस प्रकार निर्देश दिए गए हैं: रिपोर्टिंग और प्रवेश दोपहर ढाई बजे से शुरू होगा। परीक्षा दोपहर चार बजे से शुरू होगी। सुबह की पारी में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को पूरे निर्धारित समय तक परीक्षा पूरी करने की छूट दी गई है। वे परीक्षा समाप्त होने के बाद ही केंद्र से बाहर निकल सकेंगे। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने छात्रों और उनके अभिभावकों को हुई परेशानी पर खेद जताया है। एजेंसी ने कहा कि वह सभी विद्यार्थियों के हितों की पूरी रक्षा करेगी। विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे समय-समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर नवीनतम जानकारी देखते रहें। हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है जहां से सहायता ली जा सकती है। यह घटना परीक्षा के पहले दिन हुई है जिससे देशभर के हजारों छात्रों को असुविधा का सामना करना पड़ा। एजेंसी का कहना है कि सभी केंद्रों पर परीक्षा सुचारू रूप से चल रही है और किसी भी विद्यार्थी के भविष्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।मान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा में तकनीकी खामी, कई केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने में हुई देरी नई दिल्ली, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने आज सूचित किया है कि साझा विश्वविद्यालय स्नातक प्रवेश परीक्षा 2026 के दौरान कुछ परीक्षा केंद्रों पर बड़ी तकनीकी गड़बड़ी हो गई। इससे परीक्षा शुरू करने में देरी हुई। एजेंसी के अनुसार, परीक्षा आयोजन की जिम्मेदारी संभाल रही कंपनी ने बताया कि उनके स्तर पर हुई तकनीकी समस्या के कारण 30 मई 2026 को कुछ केंद्रों पर परीक्षा समय पर शुरू नहीं हो सकी।

अब समस्या का समाधान कर लिया गया है और सभी प्रभावित विद्यार्थियों को पूरा अतिरिक्त समय दिया जा रहा है ताकि किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय न हो।

**दोपहर सत्र का संशोधित समय**

एजेंसी ने दोपहर के सत्र के लिए समय में बदलाव किया है। अब अभ्यर्थियों को इस प्रकार निर्देश दिए गए हैं: रिपोर्टिंग और प्रवेश दोपहर ढाई बजे से शुरू होगा। परीक्षा दोपहर चार बजे से शुरू होगी। सुबह की पारी में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को पूरे निर्धारित समय तक परीक्षा पूरी करने की छूट दी गई है। वे परीक्षा समाप्त होने के बाद ही केंद्र से बाहर निकल सकेंगे। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने छात्रों



और उनके अभिभावकों को हुई परेशानी पर खेद जताया है। एजेंसी ने कहा कि वह सभी विद्यार्थियों के हितों की पूरी रक्षा करेगी। विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे समय-समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर नवीनतम जानकारी देखते रहें। हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है जहां से सहायता ली जा सकती है। यह घटना परीक्षा के पहले दिन हुई है जिससे देशभर के हजारों छात्रों को असुविधा का सामना करना पड़ा। एजेंसी का कहना है कि सभी केंद्रों पर परीक्षा सुचारू रूप से चल रही है और किसी भी विद्यार्थी के भविष्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर जागरूकता सभा और जनहस्ताक्षर अभियान

**● पांच सौ से अधिक लोगों के हस्ताक्षर, आंदोलन को और मजबूत करने का आह्वान**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता



**श्रीभूमिः** बराक घाटी में गौहाटी हाईकोर्ट की एक स्थायी बेंच स्थापित करने की मांग को मजबूत करने के उद्देश्य से हाईकोर्ट बेंच मांग कार्यान्वयन समिति, कछार जिला समिति के तत्वावधान में शनिवार को उदारबंद स्थित श्रीश्री काचाकांति विद्यामंदिर परिसर में एक जागरूकता सभा और जनहस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वकीलों, शिक्षाविदों, राजनीतिक व्यक्तित्वों, समाजसेवियों तथा विभिन्न वर्गों के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। दोपहर 1 बजे जागरूकता सभा के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सभा में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रसेंजित देव, उदारबंद के विधायक राजदीप गोयाला, अधिवक्ता शांतनु नायक, शिक्षाविद विभाष देव, अधिवक्ता ध्रुव कुमार साहा, अधिवक्ता धर्मानंद देव, काचाकांति विद्यामंदिर के निदेशक हरिहर चक्रवर्ती, शिक्षाविद सुमित्रा घोष, शिक्षाविद कौनिश चक्रवर्ती, अधिवक्ता सुमिता पोद्दार, अधिवक्ता देवोमिता चक्रवर्ती, तुहिना शर्मा, टिंकू वैद्य, रसराज दास सहित अनेक विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में काचाकांति विद्यामंदिर के निदेशक एवं शिक्षाविद हरिहर चक्रवर्ती ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बराक घाटी में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को समयोचित और न्यायसंगत बताते हुए कहा कि न्याय प्राप्त करना संविधान द्वारा प्रदत्त एक मौलिक अधिकार है और इस अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए बराकवासियों की यह मांग पूरी तरह उचित है। इसके बाद हाईकोर्ट बेंच मांग कार्यान्वयन समिति, कछार जिला समिति के अध्यक्ष ने सभा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बराक घाटी के लगभग 40 लाख लोगों के लिए एक हाईकोर्ट बेंच आज समय की आवश्यकता है। न्यायिक कार्यों के लिए लोगों को सैकड़ों किलोमीटर दूर गुवाहाटी जाना पड़ता है, जिससे समय, धन और श्रम की भारी बर्बादी होती है। कई बार आम लोगों को न्याय प्राप्त करने में व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सभा का मुख्य आकर्षण अधिवक्ता धर्मानंद देव की तथ्यपूर्ण पावर पॉइंट प्रस्तुति रही। उन्होंने ऐतिहासिक तथ्यों, सरकारी दस्तावेजों और न्याय व्यवस्था के विकासक्रम के आधार पर हाईकोर्ट बेंच की आवश्यकता को विस्तार से समझाया। उन्होंने ब्रिटिश काल में हुगली नदी के किनारे स्थापित फोर्ट विलियम कोर्ट से लेकर शिलांग में उच्च न्यायालय की कार्यप्रणाली, बाद में गौहाटी हाईकोर्ट की स्थापना तथा पूर्वोत्तर भारत की न्यायिक व्यवस्था के विकास पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बराक घाटी की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, मामलों की संख्या और न्याय चाहने वाले लोगों की कठिनाइयों को देखते हुए यहां एक स्थायी हाईकोर्ट बेंच की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। देश के विभिन्न राज्यों और असम के बाहर कई स्थानों पर हाईकोर्ट बेंच स्थापित की गई हैं, लेकिन बराक घाटी की यह लंबे समय से चली आ रही न्यायसंगत मांग अब तक पूरी नहीं हुई है, जो निराशाजनक है। सभा में अन्य वक्ताओं ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए सरकार और संबंधित अधिकारियों से शीघ्र आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक मांग नहीं है, बल्कि न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जनहित से जुड़ी मांग है। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता देवोमिता चक्रवर्ती ने किया। सभा के अंत में शिक्षाविद कौनिश चक्रवर्ती ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद अपराह्न 3 बजे जनहस्ताक्षर अभियान शुरू हुआ। इसमें आम लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। महिला-पुरुष, छात्र-छात्राएं, शिक्षक, व्यापारी और नौकरीपेशा लोगों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने हाईकोर्ट बेंच की स्थापना के समर्थन में हस्ताक्षर किए। आयोजकों के अनुसार, लगभग 500 से अधिक लोगों ने इस अभियान में भाग लेकर अपना समर्थन दर्ज कराया। उल्लेखनीय है कि पूरे कार्यक्रम के संयोजक अंशुमान दत्त, सोमनाथ देव, कौनिश चक्रवर्ती और हरिहर चक्रवर्ती थे। उनकी योजना, समन्वय और निरंतर प्रयासों से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। हाईकोर्ट बेंच मांग कार्यान्वयन समिति ने बताया कि बराक घाटी में गौहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच की मांग को लेकर आगे भी लगातार जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में 6 जून 2026, शनिवार, दोपहर 2 बजे बदरपुर एन.सी. कॉलेज परिसर में एक महत्वपूर्ण जागरूकता सभा आयोजित की जाएगी।

इसमें प्रमुख अधिवक्ता, शिक्षाविद, समाजसेवी, छात्र-युवा प्रतिनिधि और विभिन्न वर्गों के नागरिक भाग लेंगे। आयोजकों ने बराक घाटी के लोगों से अपील की है कि इस न्यायसंगत जनआंदोलन को सफल बनाने और न्याय तक पहुंच के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लें। समिति के नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि बराक घाटी के सभी वर्गों के लोगों के एकजुट प्रयास और व्यापक जनसमर्थन से यह लंबे समय से लंबित मांग एक दिन अवश्य पूरी होगी।

## जून से ज़ी सिनेमा लेकर आ रहा है 40 से ज्यादा प्रीमियर्स का धमाकेदार लाइनअप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

**ब्यूरो प्रयागराज।** इस समर सीज़न को ब्लॉकबस्टर जश्न में बदलते हुए ज़ी सिनेमा लेकर आ रहा है 40 से ज्यादा बड़े प्रीमियर्स का मेगा लाइनअप, जहाँ दर्शकों को मिलेगा धमाकेदार एक्शन, दिलचस्प कहानियाँ और एक के बाद एक नए प्रीमियर्स का नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट। इस धमाकेदार लाइनअप की शुरुआत होगी 'अखंडा 2' से, जिसका प्रीमियर सोमवार 1 जून रात 8 बजे होगा। नंदमुरी बालकृष्ण स्टारर इस फिल्म को बोयापति श्रीनु ने डायरेक्ट किया है। फिल्म अखंडा की कहानी को और बड़े स्तर पर लेकर जाती है, जहाँ एक दिव्य रक्षक धर्म की रक्षा के लिए अंधकार और बुरी ताकतों के खिलाफ खड़ा होता है। एक्टर और डायरेक्टर की यह ब्लॉकबस्टर जोड़ी फिर साथ आई है और इस बार फिल्म में भक्ति, धर्म और बड़े स्केल के एक्शन का जबर्दस्त मेल देखने को मिलेगा। 'अखंडा 2' में लड़ाई सिर्फ बाहरी दुश्मनों से नहीं, बल्कि उन अदृश्य शक्तियों से भी है, जो धर्म के संतुलन को बिगाड़ने की कोशिश करती हैं। सनातन धर्म और दिव्य ऊर्जा से जुड़ी यह फिल्म दर्शकों को एक अलग सिनेमाई अनुभव देने वाली है। इसके बाद लाइनअप में शामिल है 'दिल मद्रासी', जिसका प्रीमियर बुधवार 3 जून रात 8 बजे होगा। यह फिल्म एआर मुरुगादोस की है, जिन्होंने 'गजनी' और 'हॉलिडे' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। वे ऐसे डायरेक्टर माने जाते हैं, जो दमदार एक्शन के साथ दिल छू लेने वाली कहानी भी लेकर आते हैं। 'दिल मद्रासी' भी एक्शन और इमोशन का शानदार मेल है। फिल्म में शिवकार्तिकेयन, रुक्मिणी वसंत और विद्युत जामवाल नजर आएँगे, जहाँ शिवकार्तिकेयन एक ऐसे इंसान का किरदार निभा रहे हैं, जो धीरे-धीरे एक बड़े संघर्ष में फंस जाता है, वहीं विद्युत जामवाल अपने खतरनाक विलेन वाले अंदाज़ और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से अलग ही असर छोड़ते हैं। प्रीमियर्स का यह सिलसिला आगे बढ़ेगा 'किष्किंधापुरी' के साथ, जिसका प्रीमियर शुक्रवार 5 जून रात 8 बजे होगा। साई श्रीनिवास बेल्लमकोंडा, 'जय जानकी नायका', 'खूंखार' और 'प्रलय द डिस्ट्रॉयर' जैसी दमदार फिल्मों के बाद, इस मिस्ट्री थ्रिलर में एक दमदार नए अंदाज़ में लौट रहे हैं। कौशिक पेगल्लापति के निर्देशन में बनी यह मिस्ट्री थ्रिलर राघव और मैथिली की कहानी दिखाती है, जो एक ऐसे रहस्यमयी रेडियो स्टेशन से जुड़े डरावने सच में फंस जाते हैं, जिसका हिंसक अतीत अब भी खत्म नहीं हुआ है। जैसे-जैसे रहस्य गहराता है, दोनों एक ऐसे डरावने खेल में फंस जाते हैं, जहाँ से निकलना लगभग नामुमकिन है, क्योंकि कुछ दरवाजे एक बार खुल जाएँ, तो फिर कभी बंद नहीं होते। और यह तो सिर्फ शुरुआत है। इस सीज़न में आगे 'मास जथारा', 'ओडेला 2', 'भैरवम', 'अर्जुन सन ऑफ वैजयंती', 'शीलावतीः द घाटी क्वीन', 'मावीरण' और कई दूसरी बड़ी फिल्में भी प्रीमियर होने वाली हैं।,

## फतेहाबाद की पूजा ने चीन की धरती पर फहराया तिरंगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता



**तेहाबाद।** चीन के हांगकांग शहर में 28 से 31 मई तक आयोजित हो रही 22वीं अंडर 20 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जिले के छोटे से गांव बोस्ती की बेटी पूजा ने इतिहास रच दिया है। पूजा ने शुक्रवार देर रात हुए हाई जंप (ऊंची कूद) मुकाबले में चीन की एथलीट को धूल चटाते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया और चीन की धरती पर भारत का तिरंगा फहराया। पूजा ने इस मुकाबले में अद्भुत खेल का प्रदर्शन करते हुए अपना ही पुराना रिकार्ड ध्वस्त कर दिया। पूजा ने 1.93 मीटर की ऊंची छलांग लगाकर न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि भारत में 1.93 मीटर जंप का नया राष्ट्रीय रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। इससे पहले उनका व्यक्तिगत रिकार्ड 1.83 मीटर का था। हालांकि वह 1999 में बने 1.95 मीटर के चैंपियनशिप रिकार्ड से मामूली अंतर से चूक गईं। इस कड़े मुकाबले में मेजबान चीन की माईकी चेन 1.80 मीटर जंप के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि ताइपे की पेई-ह्सुआन लिन और श्रीलंका की मिहंसा देवमिनी 1.72 मीटर जंप के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। विदित रहे कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के कुल 51 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें हरियाणा के तीन होनहार शामिल हैं। इनमें फतेहाबाद से पूजा हाई जंप में, रोहतक से निश्चय शाट पुट इवेंट में और मुस्कान पांच किलोमीटर दौड़ में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

## बलिया में प्रेम प्रसंग बना हत्या की वजह, पति ने प्रेमिका संग मिलकर पत्नी को उतारा मौत के घाट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बलियाः** उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी प्रेमिका के साथ मिलकर पत्नी प्रीति की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने 24 घंटे में साजिश रचकर अंजाम दिए गए इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए पति चुन्नीलाल प्रजापति और प्रेमिका शोभा चौरसिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

**शादी के 3 महीने बाद ही रची साजिश**

कोतवाली थाना क्षेत्र के शिवपुर दियर इलाके की यह घटना है। पुलिस के अनुसार, रेवती नगर पंचायत वार्ड-13 निवासी चुन्नीलाल प्रजापति की शादी 6 मार्च 2025 को प्रीति से हुई थी। शादी के बाद से ही प्रीति को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। इस बीच चुन्नीलाल का पिछले 3 साल से शोभा चौरसिया से प्रेम संबंध चल रहा था। पत्नी को रास्ते से हटाने के लिए दोनों ने हत्या की साजिश रची।

**घुमाने के बहाने ले गई प्रेमिका, पानी में मिलाई बेहोशी की दवा**

22 मई की सुबह करीब 9 बजे शोभा चौरसिया जिला अस्पताल बलिया से प्रीति को घुमाने के बहाने ई-रिक्शा में बैठाकर बयासी पुल की तरफ ले गई। पूछताछ में शोभा ने बताया कि चुन्नीलाल ने उसे एक पुड़िया दी थी और कहा था कि इसे पानी में मिलाकर प्रीति को पिला देना। साथ ही कहा था कि अगर कोई पूछे तो बताना कि तबीयत खराब है, दवा लेने जा रहे हैं और भाई पीछे आ रहा है। प्रीति के बेहोश होने पर शोभा उसे बयासी पुल पर उतारकर रुक गई। तभी बाइक से चुन्नीलाल वहां पहुंचा।

**झाड़ियों में ले जाकर गला दबाया**

इसके बाद दोनों प्रीति को बाइक पर बीच में बैठाकर पुल से आगे सुनसान झाड़ियों में ले गए। वहां चुन्नीलाल ने प्रीति का गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शोभा ने प्रीति के गुम होने की अफवाह फैला दी और दो दिन तक ढूंढने का नाटक किया। 24 मई को चुन्नीलाल ने कोतवाली में प्रीति की गुमशुदगी दर्ज करा दी।

**ऐसे खुला राज**

24 मई को शिवपुर दियर के पास एक महिला का शव मिला। परिजनों ने शव की शिनाख्त प्रीति के रूप में की। परिजनों का आरोप था कि शादी के बाद से ही बेटी को दहेज के लिए मारा-पीटा जाता था। कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू की। 28 मई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शोभा चौरसिया को उसके घर के पास से और चुन्नीलाल को रेवती पावर हाउस बभनौली के पास खंडहर से गिरफ्तार कर लिया।

**मोबाइल ने खोले राज**

शुरुआत में दोनों ने खुद को भाई-बहन बताया। लेकिन मोबाइल की जांच में




आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो मिलने पर दोनों टूट गए और जुर्म कबूल कर लिया।

**बरामदगी–** पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटनास्थल के पास से मृतका का धातु का कान का सुई-धागा, एक पायल, 10 नीली कांच की चूड़ियां, 2 प्लास्टिक के कंगन, सिंदूरी ब्लाउज और 1355 रुपये वाला चेनदार पर्स बरामद किया। आरोपियों के पास से 3000 रुपये, एक बैग और 2 मोबाइल भी मिले। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।